शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 262 | गुवाहाटी | बुधवार, 29 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महिला आरक्षण लागू करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे : प्रधानमंत्री पेज 2
भीतरघात और गद्दार जैसे शब्द भाजपा की संस्कृति का हिस्सा नहीं; अनुशासनहीनता... पेज 3
बहरूपिया बयान पर गरमाई राजस्थान की सियासत, पायलट के समर्थन में ... पेज 5
शरद के बिना लंदन में नई चुनौती ग्रुप में दबदबा बनाने उतरेगा भारत पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अपने मिशन में कामयाब होने का सिर्फ एक ही रास्ता है, किसी भी काम को पूरी लगन के साथ करो।

– अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

पीजी में लगी आग, जान बचाने के लिए चौथी मंजिल से कूद गईं 50 युवतियां

नई दिल्ली। बेंगलुरु में एक पीजी में आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते यह पूरे बिल्डिंग में फैल गई और फिर युवतियों को अपनी जान बचाने के लिए 4 मंजिला इमारत से नीचे कूदना पड़ा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में आग लगने के बाद मची अफरा-तफरी और दहशत देखी -शेष पृष्ठ दो पर

अनिल अंबानी समूह की 3,034 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली (हि.स)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के अंतर्गत 3,034.90 करोड़ रुपए की नई संपत्तियां जब्त की हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि ईडी ने मेसर्स रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड बैंक धोखाधड़ी मामले में पीएमएलए, 2002 के -शेष पृष्ठ दो पर

एचएस के नतीजे घोषित, सभी स्ट्रीमों में लड़कियों ने किया बेहतर प्रदर्शन

गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। असम हायर सेकेंडरी एजुकेशन काउंसिल (एएचएसईसी) द्वारा मंगलवार को हायर सेकेंडरी (एचएस) फाइनल परीक्षाओं के नतीजे घोषित किए। सभी संकायों में कुल पास प्रतिशत 81.54 प्रतिशत रहा। कला, विज्ञान, वाणिज्य और व्यावसायिक अध्ययन में उच्च उत्तीर्ण प्रतिशत बनाए रखते हुए, लड़कियों ने सभी शैक्षणिक क्षेत्रों में लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया। कला विषय में 1,41,534 महिला उम्मीदवारों में से 81.96 प्रतिशत उत्तीर्ण हुईं, जो कि 99,589 पुरुष उम्मीदवारों द्वारा दर्ज की गई 76.10 प्रतिशत उत्तीर्ण दर से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। वहीं विज्ञान स्ट्रीम में भी यही सफलता देखने को मिली, जिसमें 26,474 लड़कियों में से 90.80 प्रतिशत उत्तीर्ण हुईं, जबकि 34,193 लड़कों में से 89 प्रतिशत परीक्षा उत्तीर्ण हुए। उधर वाणिज्य स्ट्रीम में, महिला छात्रों ने 82.67 प्रतिशत (5,945 छात्र) की उत्तीर्ण दर हासिल की, जो 13,524 पुरुष उम्मीदवारों द्वारा दर्ज की गई 80.45 प्रतिशत की दर से बेहतर प्रदर्शन है। इसी प्रकार, व्यावसायिक स्ट्रीम में लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 76.74 प्रतिशत रहा, जो लड़कों द्वारा प्राप्त 72.42 प्रतिशत से अधिक है, इस स्ट्रीम में कुल 1,465 उम्मीदवार उपस्थित हुए। इस वर्ष राज्य भर में कुल 3,22,725 छात्रों ने परीक्षा दी, जिनमें से 2,63,155 छात्र सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए। चारों संकायों में से, विज्ञान संकाय का पास प्रतिशत सबसे ज्यादा 89.79 प्रतिशत रहा। इसके बाद वाणिज्य का 81.13 प्रतिशत, कला का 79.54 प्रतिशत और वोकेशनल का 74.20 प्रतिशत रहा। कला संकाय में, बाक्सा जिला 94.29 प्रतिशत पास प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहा, जबकि चिरांग जिला 92.99 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा। नतीजों के विस्तृत ब्योरे से पता चलता है कि कला संकाय में कुल 1,91,798 छात्र परीक्षा में पास हुए। इनमें 54,755 छात्र प्रथम श्रेणी में, 79,181 द्वितिय श्रेणी में और 57,862 तृतीय श्रेणी में पास हुए। वाणिज्य संकाय में 15,796 छात्रों ने परीक्षा पास की। इनमें से 7,787 छात्रों ने प्रथम श्रेणी हासिल किया, 5,694 ने द्वितिय श्रेणी और 2,315 छात्र तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण रहे। विज्ञान संकाय में 54,474 छात्र सफल रहे। इनमें 34,079 छात्रों ने प्रथम श्रेणी, 17,777 ने द्वितिय श्रेणी और 2,618 ने तृतीय श्रेणी हासिल किया। वोकेशनल संकाय में 1,465 छात्र परीक्षा में शामिल हुए। -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने नतीजों की सराहना की, छात्रों से उच्च लक्ष्य रखने का आग्रह किया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 28 अप्रैल को उच्च माध्यमिक (एचएस) परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को बधाई दी और उनकी इस उपलब्धि को उनकी शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। मुख्यमंत्री ने छात्रों की मेहनत और लगन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष उच्च शिक्षा परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने वाले मेरे सभी युवा मित्रों को हार्दिक बधाई। यह आपके माता-पिता और शिक्षकों के आशीर्वाद के साथ-साथ आपकी मेहनत और ईमानदारी का ही परिणाम है। शर्मा ने इन परिणामों को एक व्यापक यात्रा की शुरुआत बताया और छात्रों को उच्च लक्ष्य रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि भारत और असम दोनों ही देशों में युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अपने सपनों को साकार -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व का स्वर्ग देखना है तो सिक्किम जरूर पहुंचें पर्यटक : पीएम

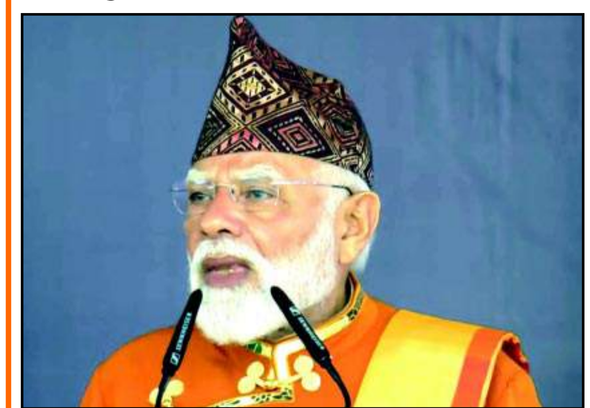

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गंगटोक में सिक्किम के 50वें स्थापना वर्ष के समापन समारोह में पर्यटन को विकास से जोड़ा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इसके लिए कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने पूर्वोत्तर को *अष्ट लक्ष्मी* बताते हुए एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट नीति का उल्लेख किया। साथ ही देशवासियों से सिक्किम आने की अपील की। कार्यक्रम में उन्होंने चार हजार करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम के दो दिवसीय दौरे के आखिरी दिन आज गंगटोक के पालजोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर के विकास के लिए कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे पर तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों के दौरान सिक्किम और पूर्वोत्तर के विकास पर ध्यान नहीं दिया गया। स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में पर्यटक सिक्किम आने से बचता था। अब राज्य में चार जिला अस्पताल और 22 आयुष्मान केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने सिक्किम के सांस्कृतिक आयोजनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के कारण आज जहां देश में भेदभाव पैदा करने की कोशिश हो रही है, ऐसे में सिक्किम ने *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* का उदाहरण प्रस्तुत किया है। मोदी ने सिक्किम को *पूर्व का स्वर्ग* और *पूर्वोत्तर का गार्डन* बताया। -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल चुनाव : दूसरे एवं अंतिम चरण में 142 सीटों पर वोटिंग आज, 1,448 उम्मीदवार मैदान में

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के अंतर्गत राज्य की 142 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को मतदान होगा। अंतिम चरण में राजधानी कोलकाता के अलावा उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हावड़ा, हुगली, नदिया और पूर्व बर्धमान जिलों में मतदान कराए जाएंगे। इस चरण में 1,448 उम्मीदवार मैदान में हैं। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस ने सभी 142 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 141 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, दूसरे चरण के लिये 1463 नामांकन प्राप्त हुए। इनमें 15 लोगों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। दक्षिण 24 परगना के भांगड़ विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 19 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि सबसे कम पांच उम्मीदवार हुगली की गोघाट (एससी) सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस चरण में 8 जिलों के कुल 3,21,73,837 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र ने श्रमिकों की लू से सुरक्षा के लिए राष्ट्रव्यापी परामर्श जारी किया

नई दिल्ली (हि.स.)। भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को परामर्श जारी करते हुए कर्मियों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल निवारक तथा राहत उपाय अपनाने का आग्रह किया है। मंत्रालय ने मुख्य सचिवों और प्रशासकों को भेजे पत्र में कहा है कि विशेष रूप से बाहरी और श्रम-प्रधान क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समन्वित और बहु-आयामी रणनीति अपनाई जाए। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया है कि वे नियोक्ताओं, ठेकेदारों, उद्योगों और निर्माण कंपनियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें। इनमें काम के घंटों का पुनर्निर्धारण, पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना तथा कार्यस्थलों और विश्राम स्थलों को ठंडा रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करना शामिल है। परामर्श में यह भी कहा गया है कि निर्माण स्थलों सहित विभिन्न कार्यस्थलों पर आपातकालीन आइस पैक और गर्मी से बचाव की सामग्री उपलब्ध कराई जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर श्रमिकों के स्वास्थ्य की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। कारखानों और खदानों के प्रबंधन को अत्यधिक गर्मी के दौरान कार्य की गति धीमी करने, आवश्यक -शेष पृष्ठ दो पर

राजा रघुवंशी हत्याकांड : शिलांग कोर्ट से सोनम को मिली जमानत

शिलांग। मेघालय की राजधानी शिलांग की एक अदालत ने चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को जमानत दे दी है। कई महीनों से जेल में बंद सोनम को चौथी जमानत याचिका पर राहत मिली, जबकि इससे पहले उसकी तीन जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी थीं। इस फैसले से पीड़ित परिवार को गहरा झटका लगा है। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या से जुड़े इस मामले में अदालत ने मंगलवार को सोनम रघुवंशी की जमानत याचिका मंजूर कर ली। इस खबर की पुष्टि मृतक के -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात के सभी नगर निगमों पर भाजपा का कब्जा

अहमदाबाद। गुजरात के सभी 15 नगर निगम सीटों के नतीजे अब सामने आ चुके हैं। भाजपा ने सभी नगर निगमों में जीत दर्ज करते हुए क्लीन स्वीप किया है। अहमदाबाद नगर निगम में भाजपा ने 192 में से 158 सीटों पर कब्जा जमाकर शहरी राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ दिखाई। इस जीत के साथ भाजपा ने साफ संकेत दे दिया है कि गुजरात में उसकी संगठनात्मक ताकत अब भी बेहद मजबूत बनी हुई है। वहीं भारतीय क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की बहन नयनाबा जडेजा राजकोट नगर निगम चुनाव हार गई हैं। राजकोट में भी भाजपा का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा, यहां की नगर निगम की 72 सीटों में से भाजपा ने 65 सीटें जीत लीं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 7 सीटों से संतोष -शेष पृष्ठ दो पर

अब आधार कार्ड नहीं होगा उम्र का प्रमाण

नई दिल्ली। आधार कार्ड को लेकर नया अपडेट आया है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के नए आदेश के तहत अब आधार कार्ड को जन्मतिथि (डेट ऑफ बर्थ) का प्रूफ नहीं माना जाएगा। संस्था ने एक लेटर जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी है। इसके तहत आधार कार्ड आपकी पहचान का तो सबूत होगा लेकिन इसे इससे आपकी जन्मतिथि प्रमाणित नहीं मानी जाएगी। भले ही उसमे जन्मतिथि क्यों न मौजूद हो। इस फैसले पर यूआईडीएआई ने कहा कि आधार का उद्देश्य अथेंटिफिकेशन के जरिये पहचान को प्रमाणित करना है न कि संबंधित व्यक्ति की डेट ऑफ बर्थ बताना। यूआईडीएआई ने -शेष पृष्ठ दो पर

पेट्रोल-डीजल की गाड़ियां हो जाएंगी बंद! इनका कोई भविष्य नहीं : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को बड़ा बयान देते हुए कहा है कि लंबे समय में, पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों पर चलने वाले वाहनों का कोई भविष्य नहीं है। केंद्रीय मंत्री का यह बयान वैकल्पित ईंधन विकल्पों के समर्थन में आया, क्योंकि उन्होंने ऑटोमोबाइल उद्योग से स्वच्छ ईंधनों की ओर बदलाव पर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी बताया कि यह बदलाव सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान देगा। परिवहन मंत्री ने वाहन निर्माताओं से बायोफ्यूल, सीएनजी और एलएनजी जैसे वैकल्पिक और स्वच्छ ईंधन विकल्पों के इस्तेमाल की ओर बदलाव की गति तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया -शेष पृष्ठ दो पर

अफगानिस्तान में मिला तेल का भंडार, निकालने की प्रक्रिया शुरू

काबुल। मध्यपूर्व तनाव की वजह से विश्वभर में तेल संकट बना हुआ है। ईरान की ओर से होर्मुज स्ट्रेट बंद करने से दुनिया का 20 फीसद तेल का व्यापार प्रभावित हुआ है। भारत ने भी अपने तेल आयात के दूसरे विकल्प खोजने शुरू कर दिए हैं, हाल ही में अफ्रीका के कई देशों से तेल भारत आया है। इस बीच अफगानिस्तान से एक ऐसी खबर आई है, जो तेल की कमी को दूर करने की उम्मीद जगा रही है। अफगानिस्तान के माइंस और पेट्रोलियम मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उसने उत्तरी जौजजान प्रांत में अमू दरिया तेल बेसिन के जमराड साई इलाके में पांच कुओं से तेल निकालना शुरू कर दिया है। बयान के मुताबिक कुओं से अभी हर दिन लगभग 500 क्यूबिक मीटर तेल निकल रहा है। पिछले छह महीनों में ही, जमराड साई इलाके में 400 किमी के नए -शेष पृष्ठ दो पर

पीसीआई को चेयरमैन मिला, पत्रकारों के कोटे की सीटें अब भी खाली

■ नव ठाकुरीया

गुवाहाटी। महीनों की अनिश्चितता के बाद प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) को अपना चेयरमैन मिल गया है, क्योंकि जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई ने 24 अप्रैल 2026 को पदभार ग्रहण कर लिया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश, जिन्हें तीन वर्ष की दूसरी अवधि के लिए नामित किया गया था, 17 जून 2022 से 16 दिसंबर 2025 तक भी पीसीआई की चेयरमैन रह चुकी हैं। हालांकि, कार्यरत पत्रकारों के लिए निर्धारित कोटे की सीटें अब भी खाली हैं, क्योंकि 15वीं काउंसिल को पूर्ण करने के लिए सात सदस्य (जो पेशेवर पत्रकारों—संपादकों के अतिरिक्त—का प्रतिनिधित्व करेंगे) और छह सदस्य (जो संपादक-पत्रकारों का प्रतिनिधित्व करेंगे) का चयन अभी शेष है। यह उल्लेखनीय है कि दो महीने पहले राज्यसभा सदस्य सस्मित पात्रा ने नई दिल्ली में केंद्र सरकार से लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा और मीडिया की जवाबदेही को सुदृढ़ करने के लिए मौजूदा प्रेस काउंसिल को पूर्ण करने का आग्रह किया था। 10 फरवरी को संसद के उच्च सदन में बोलते हुए बीजू जनता दल के नेता ने जोर देकर कहा कि 5 अक्तूबर 2024 को 14वीं काउंसिल का कार्यकाल -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

महिला आरक्षण लागू करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा : प्रधानमंत्री

वाराणसी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश को विकसित बनाने का क्रम अनवरत चल रहा है। उसका सबसे मजबूत स्तंभ भारत की नारी है। आज सभी माताओं, बहनों से एक महायज्ञ की शुरुआत के लिए आशीर्वाद लेने आया हूं। यह लक्ष्य लोकसभा और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना है। हमने प्रयास किया लेकिन सपा और कांग्रेस जैसे दलों ने यह नहीं होने दिया। हम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए। आरक्षण लागू हो, इसमें मैं कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी वाराणसी में छह हजार 330 करोड़ की लागत वाली 163 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद नारी वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी दो अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा रवाना किया। यह ट्रेनें बनारस से पुणे एवं अयोध्या से मुंबई के लिए चलेंगी। उन्होंने बनास डेयरी के तीन लाख 21 हजार 813 दुग्ध उत्पादकों को बोनस राशि का भी उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस लोकोमोटिव वर्क्स ग्राउंड पर नारी वंदन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी काशी माता श्रृंगार गौरी, अन्नपूर्णा, विशालाक्षी, माता संकटा और मां गंगा की दिव्य धरती है। प्रधानमंत्री मोदी ने भोजपुरी में माताओं, बहनों को प्रणाम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश को विकसित बनाने का क्रम अनवरत चल रहा है। उसका सबसे मजबूत स्तंभ भारत की नारी है। आज सभी माताओं, बहनों से एक महायज्ञ की शुरुआत के लिए आशीर्वाद लेने आया हूं। यह लक्ष्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना है। प्रधानमंत्री ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस, सपा और टीएमसी समेत अन्य विपक्षी दलों को महिला विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण लागू करने का हमने प्रयास किया लेकिन सपा और कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों ने यह नहीं होने दिया। हम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए। आरक्षण लागू हो, इसमें कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा। उन्होंने कहा कि महिला के मजबूत होने से पूरा परिवार और समाज मजबूत होता है। अतीत में महिलाओं को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ा है। बेटियों को तमाम सवालों का सामना करना पड़ा है। देश की ज्यादातर बेटियां इससे गुजरीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 25 साल पहले जब गुजरात में मुख्यमंत्री बना तो बेटियों के लिए दो योजनाएं शुरू कीं। वर्ष 2014 में केंद्र में हमारी सरकार आई तो बेटियों की समृद्धि और सुविधा से जुड़ी कई योजनाएं शुरू की गईं। दो साल पहले काशी से ही सुकन्या समृद्धि योजना की शुरुआत की गई। यह योजना बेटियों के आगे बढ़ने में बड़ी भूमिका अदा कर रही है। पड़ाई, कमाई और दवाई के साथ करोड़ों बहनों के नाम पर पहली बार कोई प्रापर्टी रजिस्टर हुई है। उन्होंने भोजपुरी में कहा कि आज हमार माई बहन अपने घर कर मालकिन बनत है। उन्होंने कहा कि आपने यहां यूपी में हालात बदलते हुए देखा है। सपा की सरकार में बेटियों का घर से बाहर निकलना दूभर हो गया था। आज बेटियों की ओर देखने वालों का क्या हश्र होता, यह सब जानते हैं। महिला पुलिस थाने स्थापित किए गए हैं। ऐसे कदम बेटियों को सुरक्षा देते हैं। बहनों की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया गया।

बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले ईसी सख्त, गड़बड़ी फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले भारत निर्वाचन आयोग ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को 142 विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी एक विस्तृत सूची सौंपी है, जिसमें उन लोगों के नाम शामिल हैं जो चुनाव के दौरान गड़बड़ी कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, 27 अप्रैल को मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय से पुलिस महानिदेशक को एक पत्र भेजा गया। इस पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि पहले चरण के दौरान जिन इलाकों से डराने-धमकाने और हिंसा की शिकायतें मिली थीं, वैसी घटनाएं दूसरे चरण में दोबारा नहीं होनी चाहिए। इस सूची में कई तृणमूल नेताओं के नाम होने की भी चर्चा है। खासतौर पर मोगराहाट पश्चिम के उम्मीदवार और अभिषेक बनर्जी के करीबी सामिम अहमद, फलता के नेता जहांगीर खान, शेख शाहजहां और शिवप्रसाद हाजरा पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा बसिरहाट इलाके के बारिक विश्वास और साहानुर मंडल के नाम भी सूची में बताए जा रहे हैं। आयोग द्वारा भेजी गई सूची में उत्तर और दक्षिण 24 परगना समेत कई जिलों के कुल 142 विधानसभा क्षेत्रों के संदिग्ध लोगों के नाम और उनके संपर्क विवरण तक शामिल हैं। पत्र में आयोग ने साफ कहा है कि अगले 72 घंटे बेहद अहम हैं। पुलिस को निर्देश दिया गया है कि सूची में शामिल लोगों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

बरपेटा सड़क हादसे में एक की मौत, एक घायल

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के सरभोग में हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृत युवक की पहचान कलगछिया के बालापथार गांव निवासी सामाद मियां के 26 वर्षीय पुत्र जहिरुल इस्लाम के रूप में की गयी है। वहीं बाइक पर सवार अन्य घायल युवक की पहचान सैदुल इस्लाम के रूप में की गयी है। घायल सैदुल को पहले सरभोग थाना ले जाया गया, बाद में उसे बरपेटा मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि दोनों युवक सरभोग के खरिसाल स्थित अपने सगे-संबंधी के घर बीती देर रात 10 बजे के आसपास जा रहे थे। इसी दौरान खरिसाल पेट्रोल पंप के सामने एक अन्य वाहन के साथ बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गयी। जिसके चलते मौके पर ही जहिरुल की मौत हो गई, वहीं सैदुल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

रेल मार्गों व सार्वजनिक स्थानों पर धमाकों से आतंक फैलाना चाहते थे कट्टरपंथी

चंडीगढ़(हिंस)। डीआईजी कुलदीप सिंह चाहल ने बताया कि शंभू रेलवे ट्रैक पर हुए धमाका मामले में पकड़े गए चार कट्टरपंथियों से पूछताछ के आधार पर इस मॉड्यूल का मुख्य सरगना परदीप सिंह खालसा है, जो खालिस्तानी विचारधारा से प्रभावित होकर *चलदा वहीर चक्रवर्ती, अटारिए* नामक संगठन चला रहा था। वह मलेशिया स्थित खालिस्तानी उग्रवादी समूहों और पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों के संपर्क में था। इनका मकसद पंजाब में आतंकी घटनाओं को अंजाम देकर शांति भंग करना और दहशत का माहौल पैदा करना था, जिसके लिए पाकिस्तान स्थित हैंडलरों द्वारा इन्हें भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार मुहैया कराए गए थे। डीआईजी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मॉड्यूल का सरगना परदीप सिंह खालसा अपने साथियों के साथ पंजाब के प्रमुख रेलवे मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर बम धमाके कर राज्य में उग्रवाद को पुनर्जीवित करना चाहता है। इस संबंध में थाना कोतवाली पटियाला में मामला दर्ज किया गया है। डीआईजी ने बताया कि पुलिस टीमों ने परदीप सिंह खालसा, कुलविंदर सिंह बग्गा, सतनाम सिंह सत्ता और गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी को आज बड़ी नदी बांध रोड के पास कूड़े के ढेर के निकट से गिरफ्तार किया।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान की यूनिवर्सिटी पर हमला, सात की मौत व 75 घायल

काबुल। अफगानिस्तान के कुनार प्रोविंस में हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं, जहां पाकिस्तानी हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 75 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह हमला प्रांतीय राजधानी आसाबाद और सरकानो जिले में हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलों में सैयद जामुद्दीन अफगान विश्वविद्यालय को भी निशाना बनाया गया। यूनिवर्सिटी परिसर में मोर्टार गिरने से भारी नुकसान हुआ और छात्रों व स्टाफ में अफरा-तफरी मच गई। करीब 30 छात्र और कर्मचारी घायल हुए हैं। असदाबाद के सरकारी अस्पताल में बड़ी संख्या में घायल पहुंचाए गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज में जुटी है और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हमलों के बाद इलाके में दहशत फैल गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार धमाकों, ड्रोन और रॉकेट हमलों के डर से कई परिवार अपने घर छोड़कर सुरक्षित जगहों की ओर भाग रहे हैं। अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे *कायराना और अमानवीय* बताया है। सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से इस मामले पर चुप न रहने की अपील की है। पिछले कुछ महीनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। दोनों देश एक-दूसरे पर अस्थिरता फैलाने के आरोप लगा रहे हैं। कई बार संघर्षविराम की कोशिशें हुईं, लेकिन हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ते जा रहे हैं।

पृष्ठ एक का शेष

एचएस के नतीजे घोषित...

कुल मिलाकर, सभी स्ट्रीम में कुल 3,22,723 छात्र परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा अधिकारियों ने यह भी बताया कि नकल या अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने के आरोप में 190 छात्रों को परीक्षा से निष्कासित कर दिया गया, जबकि 8,075 छात्र परीक्षा के दौरान अनुपस्थित रहे। उधर बोर्ड ने उत्तर पुस्तिकाओं की पुन: जांच और स्कैन की गई प्रतियां प्राप्त करने की प्रक्रियाएं निर्धारित कर दी हैं। आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे, जो परिणाम घोषित होने के दो दिन बाद से शुरू होंगे, और पोर्टल सक्रिय होने के 15 दिनों के भीतर जमा किए जाने चाहिए। पुन: जांच के परिणाम आवेदन की अंतिम तिथि से 30 दिनों के भीतर प्रकाशित किए जाएंगे, जबकि स्कैन की गई प्रतियां परीक्षक के विवरण को छुपाकर उम्मीदवारों को ईमेल के माध्यम से भेजी जाएंगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि अंकों पर उसका निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा, और उम्मीदवारों को स्कैन की गई प्रतियों को साझा न करने या उनका दुरुपयोग न करने का वचन देना होगा। अपने प्रदर्शन से असंतुष्ट छात्र पुनर्मूल्यांकन या सुधार परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। तीन विषयों तक में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्र कंपार्टमेंट परीक्षा के पात्र होंगे, जबकि तीन से अधिक विषयों में अनुत्तीर्ण होने वाले या मुख्य परीक्षा में अनुपस्थित रहने वाले उम्मीदवार पात्र नहीं होंगे।

मुख्यमंत्री ने नतीजों ...

करने के अपार अवसर मौजूद हैं। इस उपलब्धि को *एक कदम आगे बढ़ने का जरिया* बताते हुए, उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपना ध्यान केंद्रित रखें और आने वाले वर्षों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखें। मुख्यमंत्री ने परीक्षा में उम्मीदों पर खरा न उतर पाने वाले छात्रों को भी प्रोत्साहन दिया। उन्होंने छात्रों को निराश न होने की सलाह दी, बल्कि अपने प्रदर्शन पर विचार करने, बेहतर तैयारी करने और और भी मजबूत होकर वापसी करने को कहा। हिम्मत मत हारो। परिणामों पर विचार करो, अच्छी तैयारी करो और अगली बार शानदार प्रदर्शन करो। मेरी शुभकामनाएं और बधाई सभी को, उन्होंने आगे कहा।

पूर्व का स्वर्ग देखना ...

उन्होंने कहा कि राज्य में देश की 25 प्रतिशत से अधिक फ्लोरल विविधता पाई जाती है। यहां 500 से अधिक पक्षियों और 700 प्रकार की तितलियों की प्रजातियां हैं। कंचनजंगा की पहाड़ियां राज्य की पहचान को और समृद्ध बनाती हैं। उन्होंने पर्यटकों से सिक्किम आने और यहां के स्थानीय उत्पाद खरीदने की अपील की। उन्होंने सुझाव दिया कि यात्रा के बजट का कम से कम 5 प्रतिशत पर्यटकों को स्थानीय वस्तुओं की खरीद पर खर्च करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटक जहां जाएं, वहीं का भोजन करें और स्थानीय उत्पादों को खरीदें। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री ने बताया कि कैसे केंद्र सरकार राज्य के साथ मिलकर खेल और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने पर भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में स्पोर्ट्स अकादमी को पुनर्जीवित किया गया है और खेलो इंडिया तथा फिट इंडिया जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। सिक्किम प्रीमियर लीग जैसे आयोजन भी प्रोत्साहित किए जा रहे हैं। साथ ही 1,000 होमस्टे विकसित किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने गंगटोक में 4,000 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं बुनियादी ढांचे, संपर्क, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हैं। इनका उद्देश्य सिक्किम में समग्र और समावेशी विकास को गति देना है। स्वास्थ्य क्षेत्र में नामची के यांगंग में 100 बिस्तरों वाले आयुर्वेद अस्पताल और एनआईटी देवराली में 30 बिस्तरों वाले सोवा रिग्पा अस्पताल की आधारशिला और उद्घाटन किया गया। शिक्षा क्षेत्र में सिक्किम विश्वविद्यालय परिसर, मेडिकल कॉलेज, व्यावसायिक कॉलेज और मॉडल स्कूलों सहित कई संस्थानों का उद्घाटन हुआ तथा 160 स्कूलों में आईटी अवसंरचना शुरू की गई। कनेक्टिविटी के तहत तीस्ता नदी पर दो पुलों की आधारशिला रखी गई और सड़कों के उन्नयन का कार्य शुरू हुआ। बिजली, शहरी विकास और आवास परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ। पर्यावरण संरक्षण के लिए सीवरेज और प्रदूषण नियंत्रण परियोजनाएं शुरू की गईं। पर्यटन, तीर्थ और कृषि क्षेत्र में भी नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया।

बंगाल चुनाव : दूसरे ...

जिनमें 1,64,35,627 पुरुष तथा 1,57,37,418 महिला मतदाताओं के अलावा 792 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। इस चरण में कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट पर सबकी नजरें टिकी है जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का मुकाबला नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से है। वर्ष 2021 के चुनाव में नंदीग्राम में दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था, जिसमें शुभेंदु अधिकारी ने जीत दर्ज की थी। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिये चुनाव आयोग ने व्यापक इंतजाम किए हैं। लगभग सभी मतदान केंद्रों पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है और संवेदनशील व अति-संवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। वेबकास्टिंग, सीसीटीवी निगरानी और लगातार फ्लैग मार्च के जरिए शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है। चुनाव आयोग सूत्रों के अनुसार, सबसे अधिक उत्तरी 24 परगना जिले में कुल 507 कंपनियां तैनात की जा रही हैं। उत्तर 24 परगना के बारासात पुलिस जिले में 112 कंपनी की तैनाती की जा रही हैं, जबकि बनगांव जिले में 62 कंपनी बल की तैनाती की जा रही है। इसी तरह अन्य जिलों में भी शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। गत 23 अप्रैल को पहले चरण में राज्य की 152 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ था, जिसमें 92 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। मतगणना आगामी 4 मई को होगी।

केंद्र ने श्रमिकों की ...

होने पर दो श्रमिकों की टीम तैनात करने, विश्राम की व्यवस्था करने और कार्यस्थलों को हवादार तथा ठंडा रखने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने निर्माण श्रमिकों, ईंट भट्ठों में काम करने वाले मजदूरों, दिहाड़ी और अस्थायी श्रमिकों पर विशेष ध्यान देने को कहा है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाने, पोस्टर-बैनर लगाने और लू से बचाव संबंधी संदेश प्रसारित करने पर जोर दिया गया है। राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षण बोर्ड के प्रशिक्षण महानिदेशालय को लू से बचाव और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया है, जिसमें लू के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय, सुरक्षित कार्य पद्धतियां और प्राथमिक उपचार शामिल होंगे। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और श्रम कल्याण महानिदेशालय के तहत अस्पतालों और औषधालयों को लू से संबंधित मामलों के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने तथा ओआरएस और अन्य आवश्यक सामग्री का पर्याप्त भंडार रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य श्रम आयुक्त और खान सुरक्षा महानिदेशालय जैसी एजेंसियों को सुरक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी करने को कहा गया है। वहीं, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और राष्ट्रीय कैरियर सेवा को अपने शिविरों के दौरान भी श्रमिकों के लिए ठंडे और हवादार कार्यस्थल तथा पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्रालय ने सभी संबंधित संगठनों से इस संबंध में की गई कार्रवाई पर पाक्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है, ताकि समीक्षा और निगरानी की जा सके। मंत्रालय ने दोहराया कि ग्रीष्म ॠतु के दौरान श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए समय पर कदम उठाना और कड़ी निगरानी अत्यंत आवश्यक है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड...

भाई विपिन रघुवंशी ने की। सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने का आरोप है और वह इस केस की मुख्य आरोपी मानी जाती है। लंबे समय से वह शिलांग की जेल में बंद थी और लगातार जमानत के लिए प्रयास कर रही थी। इस मामले में अन्य आरोपियों लोकेंद्र सिंह तोमर, बलबीर अहिरवार और शिलॉम जेम्स को पहले ही जमानत मिल चुकी है। हालांकि कथित सहयोगी राज रघुवंशी अब भी न्यायिक हिरासत में है। परिवार के मुताबिक, अदालत का यह फैसला उनके लिए बड़ा झटका है और न्याय की उनकी लड़ाई को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि वे आगे कानूनी विकल्पों पर विचार करेंगे। यह मामला मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी राजा रघुवंशी की कथित हत्या से जुड़ा है, जिसमें उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी को मुख्य आरोपी बनाया गया है। इस हत्याकांड ने अपने सामने आने के बाद व्यापक सुर्खियां बटोरी थीं और जांच के दौरान कई चौंकाने वाले पहलू सामने आए थे। शिलांग कोर्ट से सोनम रघुवंशी को मिली जमानत इस हाई-प्रोफाइल हत्याकांड में एक अहम मोड़ मानी जा रही है। हालांकि, जमानत मिलने का मतलब आरोपों से बरी होना नहीं है। अब इस मामले में आगे की सुनवाई और ट्रायल पर सभी की नजरें टिकी हैं, जहां अंतिम सच्चाई सामने आएगी।

गुजरात के सभी ...

करना पड़ा। आम आदमी पार्टी यहां खाता तक नहीं खोल सकी। वहीं, राजकोट जिला पंचायत की 36 सीटों में भाजपा ने 34 सीटों पर जीत दर्ज की है। जबकि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों ने क्रमश: 1-1 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं भारतीय क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की बहन नयनाबा जडेजा राजकोट नगर निगम चुनाव हार गई हैं। उन्होंने इस चुनाव में कांग्रेस की उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। बताया जा रहा है कि पारिवारिक संबंधों के साथ-साथ ननद-भाभी के बीच राजनीतिक जंग भी देखने को मिली। राजकोट में कांग्रेस के टिकट पर रवींद्र जडेजा की बहन नयनाबा जडेजा वार्ड नंबर 2 से हार गई है। भाजपा ने वार्ड नंबर 2 में जीत हासिल की है। सूरत में वोटों की गिनती पूरी हो चुकी है, जिसमें भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की है। भाजपा ने बंपर प्रदर्शन करते हुए 120 में से 115 सीटों पर कब्जा जमाया है। वहीं आम आदमी पार्टी को सिर्फ 4 सीटें मिली हैं, जबकि कांग्रेस के खाते में महज 1 सीट गई है। वहीं गुजरात की शिक्षा मंत्री रिवाबा जडेजा ने स्थानीय निकाय चुनाव परिणाम पर कहा कि यह सहरा भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं पर है। जनता जान चुकी है कि विकास से जुड़ने के लिए जनता को भाजपा को ही चुनना पड़ेगा। इस जीत का श्रेय हमारे शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। वहीं, अहमदाबाद महानगरपालिका की कुल 192 सीटों में से 158 सीटें जीतकर गुजरात के सबसे बड़े शहर में अपना दबदबा और मजबूत कर लिया है। जबकि कांग्रेस को 9 सीटें मिली हैं। आम आदमी पार्टी और एआईएमआईएम को यहां कोई सफलता नहीं मिली। एक तरह से इस चुनाव में अहमदाबाद महानगरपालिका में भाजपा का दबदबा देखने को मिला है। इस परिणाम को शहरी मतदाताओं के सत्तारूढ़ दल के पक्ष में निर्णायक मतदान का प्रमाण माना जा रहा है। इससे एक बार फिर गुजरात भर के स्थानीय निकायों में भाजपा की चुनावी ताकत और पकड़ का पता चला है।

अब आधार कार्ड ...

यह भी कहा कि आधार कार्ड पर जन्मतिथि यूजर्स के द्वारा नॉमिनेशन या अपडेट के दौरान दी गई जानकारी के आधार पर की जाती है। यूआईडीएआई ने साफ किया है कि आधार कार्ड केवल इस बात की पुष्टि करता है कि जिस व्यक्ति ने अपना आधार बनवाया था, वही व्यक्ति उसे पेश कर रहा है। आधार प्रमाणीकरण में बायोमेट्रिक और अन्य रजिस्टर्ड डिटेल्स की मिलान सेंट्रल डेटाबेस से की जाती है। सफल प्रमाणीकरण से केवल व्यक्ति की पहचान स्थापित होती है, लेकिन जन्मतिथि जैसी अन्य जानकारियों का वेरिफिकेशन नहीं होता है। यूआईडीएआई ने आगे कहा है कि एयूए (अथेंटिफिकेशन यूजर एजेंसी) और केयूए (केवाईसी यूजर एजेंसी) यह तय कर सकते हैं कि जन्मतिथि निर्धारित करने या उम्र संबंधी जानकारी के लिए आधार का उपयोग किया जाए या नहीं। कल्याणकारी योजनाओं, सब्सिडी या अन्य सरकारी उद्देश्यों के लिए आधार का उपयोग करना या न करना, संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अन्य एजेंसियों के विवेक पर निर्भर करता है। यूआईडीएआई ने दोहराया कि आधार के सभी रूप भौतिक आधार कार्ड, ई-आधार, मास्क्ड आधार, ऑफलाइन एक्सएमएल और क्यूआर कोड कुछ शर्तों के अधीन पहचान और पते के प्रमाण के रूप में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। हालांकि, यूआईडीएआई ने साफ कर दिया है कि आधार कार्ड अपने आप में जन्मतिथि का प्रमाण नहीं है। अमेरिकी टेक दिग्गज गूगल ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय यूजर्स अब अपनी आधार वेरिफाइड क्रेडेंशियल्स को सीधे गूगल वॉलेट में सुरक्षित रूप से सेव कर सकेंगे। यह सुविधा यूजर्स को रोजमर्रा के कामों में पहचान और उम्र सत्यापन के लिए एक सुरक्षित, डिजिटल-फर्स्ट आप्शन देगी। गूगल के ब्लॉग पोस्ट के अनुसार, यह फीचर यूआईडीएआई के साथ साझेदारी पर आधारित है। यूजर्स अब अपने डिवाइस पर ही पहचान वेरिफाई कर सकेंगे। कंपनी ने *सेलेक्टिव डिस्क्लोजर* तकनीक का इस्तेमाल किया है, जिससे केवल जरूरी जानकारी ही शेयर की जाएगी, जिससे गोपनीयता पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। शुरुआती साझेदारों में पीवीआर आईएनओएक्स शामिल है, जो सिनेमाघरों में उम्र जांच और रिवॉर्ड्स के लिए इस सुविधा का इस्तेमाल करेगा। वहीं भारत मेट्रीमोनी *प्राइम* प्रोफाइल्स के सत्यापन के लिए और एटीएलवाईएस अंतर्राष्ट्रीय वीजा आवेदनों को एक टैप में ऑटो-फिल करने के लिए इस फीचर को अपनाएगा।

अफगानिस्तान में मिला...

सीस्मिक सर्वे किए गए, जिससे तेल और गैस की और संभावनाओं का पता चला। अगर अफगानिस्तान में अपने स्त्रोतों से तेल निकालने और फिर उसका निर्यात करने में कामयाब होता है, तो पिछले कई दश्कों से चल रही देश में अस्थरता और बदहाली दूर की जा सकती है। साथ ही ये भारत के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है। भारत के अफगानिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते हैं। अगर तालिबान तेल निर्यात शुरू करता है, तो भारत अफगानिस्तान से तेल खरीद सकता है। अफगानी तेल भारत कम समय और कम लागत में आ सकता है। अफगान इंजीनियरों द्वारा किए गए तीन साल के गहन जियोलॉजिकल सर्वे, रिसर्च और ड्रिलिंग के बाद अब इस फील्ड के बारह कुओं में से पांच में पायलट प्रोडक्शन शुरू हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि अफगान स्पेशलिस्ट द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के सिस्टमैटिक मैनेजमेंट और इस्तेमाल के लिए अब बड़े प्लान लागू किए जा रहे हैं। अफगान सरकार ने देश में तेल, गैस और मिनरल निकालने को बढ़ाने के मकसद से घरेलू और विदेशी दोनों कंपनियों के साथ कई कॉन्ट्रैक्ट साइन किए हैं। 2023 में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने अमू दरिया बेसिन से तेल निकालने और देश के उत्तरी सर-ए-पुल प्रांत में एक तेल रिजर्व बनाने के लिए एक चीनी कंपनी के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। इस कॉन्ट्रैक्ट को माइंस और पेट्रोलियम मंत्री शेख शहाबुद्दीन डेलावर और शिनजियांग सेंट्रल एशिया पेट्रोलियम एंड गैस कंपनी (सीपैक) के एक अधिकारी ने साइन किया था। करीब तीन साल बाद अफगानिस्तान को तेल निकालने में कामयाब मिलती दिख रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छा साइन है।

पीसीआई को चेयरमैन ...

समाप्त होने के बाद एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और उत्तरदायी प्रेस के लिए पूर्ण काउंसिल का गठन आवश्यक था। पात्रा ने विशेष रूप से नए चेयरमैन की नियुक्ति पर बल दिया, क्योंकि पीसीआई 17 दिसंबर 2025 से बिना प्रमुख के कार्य कर रही थी, ताकि इस वैधानिक, अर्ध-न्यायिक और स्वायत्त संस्था के पूर्ण गठन का मार्ग प्रशस्त हो सके। वर्तमान में पीसीआई में कार्यरत सदस्यों में सुधांशु त्रिवेदी, बृज लाल, संबित पात्रा, नरेश म्हस्के और काली चरण मुंडा (लोकसभा सदस्य), अश्विनी के मोहपात्रा (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग), मनन कुमार मिश्रा (बार काउंसिल ऑफ इंडिया), के. श्रीनिवासराव (साहित्य अकादमी), सुधीर कुमार पांडा, एम.वी. श्रेयम्स कुमार, गुरिंदर सिंह, अरुण कुमार त्रिपाठी, ब्रज मोहन शर्मा और आरती त्रिपाठी शामिल हैं, जो विभिन्न श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। शेष 14 सीटों को भरने के प्रयास जारी हैं, हालांकि हाल के दिनों में विभिन्न बाधाएं सामने आई हैं। 29 सदस्यीय यह मीडिया निगरानी संस्था, जिसे प्रारंभ में 1965 के अधिनियम के तहत स्थापित किया गया और 1978 में पुनर्गठित किया गया, देश में समाचार पत्रों और समाचार एजेंसियों के मानकों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कार्य करती है। इसमें 13 पेशेवर पत्रकारों का प्रतिनिधित्व होना आवश्यक है—जिनमें 6 संपादक और 7 कार्यरत पत्रकार शामिल होते हैं—लेकिन वर्तमान में ये सीटें रिक्त हैं। कुछ समय पहले कई मीडिया संगठनों ने पीसीआई को अधिक अधिकार देकर उसे पुन: सक्रिय करने की मांग भी की थी। यह संकट तब उत्पन्न हुआ जब कई राष्ट्रीय पत्रकार संगठनों ने पीसीआई के नियमों में प्रस्तावित बदलाव का विरोध किया, जिसके तहत सदस्यों का चयन *वर्किंग जर्नलिस्ट्स की राष्ट्रीय यूनियन* के बजाय विभिन्न *प्रेस क्लबों* से किया जाना था। विरोध करने वाले संगठनों का तर्क है कि प्रेस क्लब मूलत: स्थानीय दायरे तक सीमित होते हैं और उनमें गैर-पत्रकार सदस्य भी शामिल हो सकते हैं, जिससे पेशेवर पत्रकारों के हितों का समुचित प्रतिनिधित्व नहीं हो पाता। अक्सर प्रेस क्लब अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शिक्षाविदों, लेखकों, फिल्म जगत से जुड़े लोगों और राजनयिकों को भी सदस्यता दे देते हैं, जिससे कई महत्वपूर्ण अवसरों पर पेशेवर पत्रकारों के साथ न्याय नहीं हो पाता। दूसरी ओर, मान्यता प्राप्त पत्रकार यूनियन देशभर के पत्रकारों का व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करती हैं। कुछ संगठनों ने इस मुद्दे को लेकर न्यायालय का रुख भी किया, जिससे स्थिति और अधिक जटिल हो गई। चूंकि पीसीआई कई महीनों तक बिना किसी प्रमुख के कार्य करती रही—जो इसके इतिहास में अभूतपूर्व स्थिति थी—इसने यह प्रश्न खड़ा किया कि देश के विशाल प्रिंट मीडिया जगत, जिसमें एक लाख से अधिक पंजीकृत प्रकाशन शामिल हैं, की निगरानी किस प्रकार हो रही है। पीसीआई के पास शिकायतों की सुनवाई का अधिकार है, लेकिन वह नियमों के उल्लंघन पर दंडात्मक कार्रवाई करने में सीमित है और संबंधित संस्थानों या व्यक्तियों पर जुर्माना नहीं लगा सकती। अखबारों के अलावा, देश में लगभग 400 समाचार चैनल और लाखों डिजिटल मंच सक्रिय हैं, लेकिन ये अभी तक पीसीआई के दायरे में नहीं आते। तकनीक आधारित इन आधुनिक माध्यमों को परिषद के अधिकार क्षेत्र में लाने और उसे अधिक सशक्त बनाने की मांग लगातार उठती रही है।

पेट्रोल-डीजल की ...

कि पेट्रोल और डीजल, आयात और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के लिहाज से गंभीर समस्याएं पैदा करते हैं। गडकरी ने बताया कि सरकार ने हाइड्रोजन मोबिलिटी और कंपनियों के लिए पायलट प्रोजेक्ट पहले ही शुरू कर दिए हैं। टाटा मोटर्स, वोल्वो, अशोक लेलैंड और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां पहले से ही हाइड्रोजन ईंधन के ट्रायल में शामिल हैं। हम अभी 10 ऐसे रूट पर हैं, जहां हम हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रक और बसें चला रहे हैं। हाइड्रोजन ही भविष्य का ईंधन है। फ्लेक्स फ्यूल पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक ईंधन के तौर पर इथेनॉल के महत्व पर जोर दिया और बताया कि भारत में अलग-अलग तरह के कच्चे माल से इथेनॉल बनाने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री पहले से ही फ्लेक्स फ्यूल इंजन बनाने पर काम कर रही हैं, जबकि गाड़ियां ई-20 फ्यूल पर चलती रहेंगी।

पीजी में लगी आग...

जा सकती है। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद जब युवतियों को जान बचाने का कोई दूसरा मौका नहीं दिखा, तो उन्होंने बिल्डिंग से छलांग लगा दी। अधिकारियों के मुताबिक, आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक एलईडी बैनर की दुकान में लगी। इसके बाद वह तेजी से फैलती गई। बगल में ही पीजी की बिल्डिंग थी। कुछ ही मिनट में आग ने पूरी इमारत को अपने चपेट में ले लिया और किसी को भी संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना में किसी की जान नहीं गई और न ही कोई गंभीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। अब मामले की जांच की जा रही है कि इतनी तेजी से रिहाइशी इमारत में आग कैसे पहुंच गई।

अनिल अंबानी समूह ...

तहत 3,034.90 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। एजेंसी के मुताबिक कुर्क की गई संपत्तियों में मुंबई का एक फ्लैट, खंडाला का फार्महाउस, सानंद की जमीन, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं। इस तरह रिलायंस अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामलों में अब तक 19,344 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। ईडी ने कहा कि कुर्क की गई संपत्तियां रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आर-इंफ्रा) की हैं। इनमें मुंबई में एक फ्लैट, खंडाला (महाराष्ट्र का एक हिल स्टेशन) में एक फार्महाउस, साणंद (अहमदाबाद) में कुछ भूखंड और आर-इंफ्रा के 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है। ईडी ने कहा कि रिलायंस अनिल अंबानी समूह के खिलाफ मामलों में कुर्क की गई संपत्तियों की कुल राशि अब 19,344 करोड़ रुपए हो गई है। समूह के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी और धन के निर्धारित उद्देश्य से इतर उपयोग के आरोपों की ईडी द्वारा जांच की जा रही है।

असम भाजपा महिला मोर्चा का मशाल जुलूस 33 प्रतिशत महिला आरक्षण पर विपक्ष के विरोध के खिलाफ प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष नीलम देवी तथा गुवाहाटी लोकसभा सांसद बिजुली कलिता मेधी के नेतृत्व में आज भाजपा महिला मोर्चा ने लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के मुद्दे पर इंडी गठबंधन द्वारा किए जा रहे विरोध के खिलाफ मशाल जुलूस निकाला। यह मशाल जुलूस गुवाहाटी के बेलतला बनगांव फील्ड से प्रारंभ होकर बेलतला बिहू फील्ड तक निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने महिला आरक्षण के समर्थन में नारे लगाए और विपक्ष के रुख की आलोचना की। नेताओं ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण एक ऐतिहासिक कदम है और इसका विरोध करना महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी दल राजनीतिक कारणों से इस महत्वपूर्ण विधेयक का विरोध कर रहे हैं।

भीतरघात और *गद्दार* जैसे शब्द भाजपा की संस्कृति का हिस्सा नहीं; अनुशासनहीनता पर होगी कार्रवाई : सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा *अभूतपूर्व और ऐतिहासिक जीत* दर्ज किए जाने का दावा करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं दरंग-उदालगुड़ी क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया ने कहा कि यह शानदार विजय राज्य के स्वदेशी मतदाताओं की भारी भागीदारी के कारण संभव होगी। उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को बड़ी संख्या में लोगों ने सभी बाधाओं और विभाजनों को तोड़ते हुए मतदान किया। प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि सकारात्मक सामाजिक और राजनीतिक माहौल में पारंपरिक मतदाताओं के 90 प्रतिशत से अधिक लोगों ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग किया, जिससे लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के गतिशील नेतृत्व में राज्य में

सर्वांगीण और समावेशी विकास की लहर चल रही है और असम की जनता ने इस निरंतर प्रगति को बनाए रखने और तेज करने के पक्ष में मतदान किया है। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी एक आधिकारिक बयान के माध्यम से प्रदेश प्रवक्ता रंजीब कुमार शर्मा ने मीडिया को दी। सैकिया ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि 9 अप्रैल को मतदान के दौरान लोगों में दिखा अभूतपूर्व उत्साह पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ देगा और भाजपा को और अधिक सीटें दिलाएगा। इसी बीच, सैकिया ने पार्टी के सभी सदस्यों, उम्मीदवारों और पदाधिकारियों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि वे फेसबुक सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या अशोभनीय भाषा का प्रयोग न करें। हाल के दिनों में कुछ लोगों द्वारा *भीतरघात* और *गद्दार* जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया आक्रोश व्यक्त करने का मंच नहीं है और इस तरह की भाषा भाजपा की विचारधारा और सांस्कृतिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर समय मर्यादा, अनुशासन और शालीनता बनाए रखने का आह्वान किया। सख्त चेतावनी देते हुए सैकिया ने कहा कि अनुशासन से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और पार्टी की आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

रंगिया के प्रागमैटिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने एचएस परीक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम किया दर्ज

कामरूप (हिंस)। उच्चतर माध्यमिक (एचएस) अंतिम परीक्षा के घोषित परिणाम में रंगिया स्थित प्रागमैटिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने शत-प्रतिशत उत्तीर्णता हासिल कर अपनी उत्कृष्ट परंपरा को कायम रखा है। विद्यालय से इस वर्ष कला संकाय में 93 और विज्ञान संकाय में 67 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। दोनों ही संकायों में सभी छात्र सफल रहे, जिससे विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। कला संकाय में अर्जुन राज बोड़ो ने 93.4 प्रतिशत और नेहा कलिता ने 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं विज्ञान संकाय में ज्योतिस्मान शर्मा ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। परिणाम के अनुसार, कला संकाय में 13 छात्रों ने डिस्टिंक्शन, 30 ने स्टार मार्क, 51 ने प्रथम श्रेणी, 32 ने द्वितीय और 10 ने तृतीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की। विज्ञान संकाय में 4 छात्रों ने डिस्टिंक्शन, 9 ने स्टार, 44 ने प्रथम श्रेणी, 22 ने द्वितीय और एक छात्र ने तृतीय श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। उत्कृष्ट परिणाम के बाद विद्यालय में खुशी का माहौल देखा गया। विद्यालय के न्यास अध्यक्ष मोहसिन अली, प्रबंध निदेशक अनिल दत्ता और प्रधानाचार्य दीपज्योति बरुवा ने सभी छात्रों और शिक्षकों को बधाई दी।

मठघरिया सड़क हादसे पर बड़ा खुलासा : 19 हजार के शराब का बिल, पूरी रात बार में थी पार्टी

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के मठघरिया में हुए भीषण सड़क हादसे को लेकर पुलिस ने चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। डीसीपी जयंत सारथी बोरा ने आज संवाददाता सम्मेलन में बताया कि हादसे से पहले आरोपी समीम और तीनों युवतियां पूरी रात बार में शराब का सेवन कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि रविवार की तड़के हादसे के बाद ड्राइवर समीम फरार हो गया था। वह लगातार अपना लोकेशन बदल रहा था। बीते सोमवार की रात पुलिस ने समीम को डिब्रूगढ़ से गिरफ्तार कर आज सुबह गुवाहाटी लेकर पहुंची हैं, जहां पर उससे पूछताछ जारी है। सूत्रों का कहना है कि यह सड़क हादसा सामान्य नहीं है। इसके पीछे कई गहरे राज छिपे हुए हैं। पुलिस इसकी गहराई से जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, सभी लोग रात 11 बजे से लेकर रविवार की तड़के 3 बजे तक रुद्राक्ष मॉल स्थित एक बार में मौजूद थे, जहां उनका कुल बिल करीब 19 हजार रुपए बना। इसके बाद वे वाहन लेकर शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार में घूमने लगे। जानकारी के मुताबिक, तड़के 3 बजे के बाद वाहन करीब 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुवाहाटी के विभिन्न इलाकों में दौड़ रहा था। अंततः सुबह 4 बजकर 2 मिनट पर मठघरिया में वाहन की गति करीब 96 किलोमीटर प्रति घंटे थी, तभी उसने एक ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों लड़कियों की जानें चली गई थीं, जिससे पूरे शहर में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है और सभी पहलुओं की बारीकी से पड़ताल की जा रही है।

कोकराझाड़ में मतगणना की तैयारी तेज, अधिकारियों का प्रशिक्षण शुरू

कोकराझाड़ (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के तहत मतगणना प्रक्रिया को सुचारु, सटीक और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कोकराझाड़ जिले में आज से मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया। प्रशिक्षण सत्र कोकराझाड़ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जहां मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक तथा माइक्रो ऑब्जर्वरों को मतगणना प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उनकी जिम्मेदारियों, कार्यप्रणाली और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर रिटर्निंग ऑफिसर एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसरों ने भी प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया और उपस्थित कर्मियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशासन की ओर से बताया गया कि प्रशिक्षण का अगला चरण 2 मई को सुबह 10 बजे से इसी स्थल पर आयोजित किया जाएगा। इससे पूर्व सोमवार को डॉ. पी उदय प्रवीण की अध्यक्षता में मतगणना तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त, निर्वाचन अधिकारी, सहायक आयुक्त तथा सर्किल अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मतगणना कर्मियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम सहित अन्य तैयारियों की समीक्षा की गई। उल्लेखनीय है कि असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतदान राज्यभर में एक चरण में 9 अप्रैल को संपन्न हुआ था, जबकि मतों की गिनती 4 मई को की जाएगी।

गोसाईगांव में दो हथियारबंद बदमाश गिरफ्तार, पिस्तौल और कारतूस बरामद

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव थाना अंतर्गत सालझूरी इलाके में पुलिस ने एक सफल अभियान चलाकर दो सशस्त्र बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में एक टीम को क्षेत्र में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही और उनके द्वारा किसी संभावित राष्ट्रविरोधी या आपराधिक गतिविधि को अंजाम देने की योजना की गुप्त सूचना मिली थी। इसी आधार पर 26 और 27 अप्रैल की मध्यरात्रि को गोसाईगांव पुलिस स्टेशन के तहत सालझूरी क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने दो व्यक्तियों को घेराबंदी कर धर दबोचा।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान इस प्रकार है- जितेन हासदा निवासी नंबर 1 सालझूरी, मार्टिन हेम्ब्रम निवासी लोरियापारा गांव। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से निम्नलिखित सामान बरामद किया गया। एक फैक्ट्री निर्मित पिस्तौल के साथ 7.65 एमएम के तीन जिंदा कारतूस, दो मोबाइल हैंडसेट, एक हीरो सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किस बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में थे और उनके तार किन समूहों से जुड़े हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

कामरूप जिले में विकास समिति की मासिक बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले के विकास समिति की मासिक बैठक आज जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कामरूप संयुक्त जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कामरूप जिले में रूपांतरित हो रहे विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, लोक निर्माण विभाग एवं आवास, शिक्षा, जलसिंचाई, वन आदि विभिन्न विभागों के अधीन चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने आज की बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को उनके विभाग के अधीन चल रही विभिन्न विकासात्मक कार्यों अर्थात् परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण रूप से कार्यान्वित करने तथा समयानुसार योजनाओं एवं परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिया। साथ ही जिला आयुक्त ने मतगणना प्रक्रिया समाप्त होने के बाद विकासात्मक कार्यों को अधिक तत्परता से आगे बढ़ाने पर जोर दिया और मतगणना की प्रक्रिया नजदीक होने की बात का उल्लेख किया। एक ही समय में, चल रही

परियोजनाओं को समयानुसार पूर्ण करने के लिए सभी विभागों को सक्रिय एवं जिम्मेदार मनोभाव से कार्य करने का आह्वान किया। वर्तमान ऋतुगत परिस्थिति पर ध्यान रखते हुए, संभावित आपदा संबंधी परिस्थितियों का सामना करने के लिए संबंधित विभागों को तैयार रहने तथा तत्काल सहायता सुनिश्चित करने के लिए भी जिला आयुक्त ने निर्देश दिया। बैठक में कामरूप जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ गोस्वामी, कामरूप के जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्त, अतिरिक्त जिला आयुक्तगण क्रमशः आदित्य गोगोई, विक्रम क्षेत्री, गीताश्री लाचित, प्राणजित कुमार देव, जिला प्रशासन के साथ-साथ विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

होजाई के शंकर देव सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने लहराया परचम

होजाई (विभास)। असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा वोर्ड के द्वारा हायर सेकेंडरी के आज घोषित परिणाम में होजाई के शंकर देव सीनियर सेकेंडरी स्कूल (शंकरदेव जूनियर कालेज) के छात्र चिराग मोर व युवराज सिंह ने वाणिज्य शाखा में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज के साथ-साथ होजाई का नाम रोशन किया है। स्थानीय संवाददाताओं को जानकारी देते हुए शंकरदेव जूनियर कॉलेज के प्राचार्य तपन कर ने बताया कि हायर सेकेंडरी के आज घोषित परिणामों से वह काफी उत्साहित है। उन्होंने जानकारी दी की तीनों शाखों वाणिज्य, कला व विज्ञान में 100 प्रतिशत परिणाम रहा। कला शाखा में फर्स्ट डिवीजन 101, 90 प्रतिशत से ज्यादा 7, 80 परसेंट से ज्यादा 27, और 75 प्रतिशत से ज्यादा 68 व सर्वाधिक

93.4 प्रतिशत रहा। वाणिज्य शाखा में फर्स्ट डिवीजन 109, 90 प्रतिशत से ज्यादा 15 80 परसेंट से ज्यादा 49, 75 प्रतिशत से ज्यादा 59, सर्वाधिक 97 प्रतिशत रहा। विज्ञान शाखा में फर्स्ट डिवीजन 50, 80 परसेंट से ज्यादा 7, 75 प्रतिशत से ज्यादा 9, सर्वाधिक 89 प्रतिशत रहा। वाणिज्य शाखा में 97 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले चिराग मोर व युवराज सिंह ने बताया गुरुजनों व माता-पिता के आशीर्वाद से यह सफलता अर्जित की है और दोनों भविष्य में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं। वाणिज्य शाखा के एक दूसरे छात्र रौनक अग्रवाल जिन्होंने 96 प्रतिशत अंक हासिल किया है उन्होंने बताया कि गुरुजनों ने हमसभी छात्रों को हर समय सकारात्मक रहने के लिए प्रोत्साहित करते थे और उसी के परिणाम स्वरूप आज हमारे कॉलेज का परिणाम बहुत अच्छा रहा। रौनक भविष्य में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं।

कोकराझाड़ : भाजपा जिला महासचिव के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिला भाजपा के साधारण संपादक अनिलबान दास विवादों के घेरे में आ गए हैं। उन पर ग्रामीणों की एक सार्वजनिक सभा

को राजनीतिक रंग देने और सामाजिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी करने का गंभीर आरोप लगा है। इस मामले को लेकर गोपीनाथपुर के निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार, बीते 25 अप्रैल को गोपीनाथपुर गांव के निवासियों ने एक सार्वजनिक सभा का आयोजन किया था। ग्रामीणों का आरोप है कि भाजपा नेता अनिलबान दास उक्त सभा में उपस्थित नहीं थे, इसके बावजूद उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से सभा को लेकर भ्रामक बातें फैलाईं। ग्रामीणों ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि अनिलबान दास ने सोशल मीडिया पर गोपीनाथपुर के जाने-माने समाजसेवी सुजीत दास, गांवबुढ़ा माणिक कर, बंगाली कम्युनिटी हॉल विकास समिति के उपाध्यक्ष अमल दास और साधारण संपादक निरेन सरकार समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों लोग उपस्थित थे। सुजीत दास के खिलाफ निराधार आरोप लगाए और उनके विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी की।

रंगिया की दिया जैन ने वाणिज्य संकाय में फहराया सफलता का परचम

रंगिया (विभास)। असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित कक्षा 12 के परिणामों में रंगिया की बेटी दिया जैन ने 90.6 प्रतिशत अंकों के साथ वाणिज्य संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। स्थानीय यूक्लिड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की छात्रा दिया वार्ड नंबर-7 की निवासी और नरेश-सुनीता जैन की पुत्री हैं। उसकी इस उपलब्धि से परिवार और पूरे इलाके में खुशी की लहर है। सफलता का राज बताते हुए दिया बोलीं कि लक्ष्य पाने के लिए लगन, आत्मविश्वास और 5-6 घंटे की नियमित पढ़ाई जरूरी है।

राज्य में सड़क सुरक्षा की स्थिति पर मुख्य सचिव की समीक्षा

गुवाहाटी। 27 अप्रैल 2026 को एक राज्य-स्तरीय सड़क सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता असम के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने की। इस बैठक का उद्देश्य 2026 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान राज्य के सभी 35 जिलों में सड़क सुरक्षा के प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा करना था। बैठक में यह बात सामने आई कि जनवरी से मार्च 2026 के बीच राज्य में 4, 219 सड़क दुर्घटनाएं हुईं और 1, 008 लोगों की मौत हुई, जबकि 2025 की पहली तिमाही में 4, 232 दुर्घटनाएं और 1, 035 मौतें दर्ज की गई थीं। जहां दुर्घटनाओं की संख्या लगभग पिछले वर्ष के स्तर पर ही बनी रही, वहीं नौ जिलों-गुवाहाटी शहर, कामरूप, नगांव, लखीमपुर, सोनितपुर, गोलाघाट, बरपेटा, धुबड़ी और होजाई-में लगभग 50 प्रतिशत मौतें हुईं। हालांकि, सोनितपुर, नगांव, धेमाजी, तिनसुकिया, डिब्रूगढ़ और बिश्वनाथ जैसे कई अधिक दुर्घटना वाले जिलों में मौतों की संख्या में साल-दर-साल उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई, जो जिला-स्तरीय केंद्रित उपायों और लगातार लागू किए गए नियमों के प्रभाव को दर्शाता है। मुख्य सचिव ने यह टिप्पणी की कि दुर्घटनाओं की संख्या में कोई वृद्धि न होने के बावजूद मौतों की संख्या में साल-दर-साल केवल 2.6त्न की कमी आई है; इसका अर्थ है कि असम की सड़कों पर अभी भी औसतन हर दिन लगभग 11 लोगों की जान जा रही है-जो यह संकेत देता है कि दुर्घटनाओं की गंभीरता अभी भी अधिक बनी हुई है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि जहां असम का गंभीरता सूचकांक 0.24 है, जो राष्ट्रीय औसत लगभग 0.36 से बेहतर है, वहीं केरल (0.10) और तमिलनाडु (0.13) जैसे सुरक्षित राज्यों की तुलना में असम में होने वाली दुर्घटनाएं कहीं अधिक जानलेवा साबित हो रही हैं। इसी संदर्भ में, जिला-वार आंकड़ों की विस्तार से जांच की गई, जिसमें उन जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया जहां दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई थी। सभी 35 जिलों में दुर्घटनाओं के कारणों और विशेष रूप से अधिक जोखिम वाले दुर्घटना स्थलों की पहचान करने के लिए एक गहन *मूल कारण विश्लेषण* किया गया। कुछ जिलों में बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए, मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि हर दुर्घटना के बाद, जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक, जिला सड़क सुरक्षा समिति के हिस्से के तौर पर, व्यक्तिगत रूप से मामले की विस्तार से समीक्षा करें और तुरंत सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करें। इनमें *ब्लैक स्पॉट* (दुर्घटना-संभावित जगहों) को ठीक करना, उचित संकेत (साइनबोर्ड) लगाना, जन जागरूकता अभियान चलाना और नियमों को सख्ती से लागू करना शामिल है। इस बात पर जोर देते हुए कि हर जान का जाना एक बड़ी क्षति है, उन्होंने समय-सीमा वाले ये निर्देश जारी किए। यह देखा गया कि हर पांच मौतों में से एक मौत पैदल चलने वालों की होती है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। परिवहन विभाग को निर्देश दिया गया है कि वह अन्य राज्यों के बेहतरीन तरीकों का अध्ययन करे और असम में पैदल चलने वालों तथा सड़क पर चलने वाले अन्य कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए नियम बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाए। जिला-स्तरीय कार्रवाई को मजबूत करनाष सभी जिला प्रशासनों को निर्देश दिया गया है कि वे नियमित रूप से डीआरएससी की बैठकें आयोजित करें। डीआरएससी पोर्टल और ईडीएआर में समय पर डेटा दर्ज करना सुनिश्चित करें, और स्थानीय जोखिम पैटर्न के आधार पर जिले-विशेष के लिए कार्य योजनाएं तैयार करें। ज़ सड़क इंजीनियरिंग और संकेत: जिलों को निर्देश दिया गया है कि वे *सड़क सुरक्षा कोष* का उपयोग करें और संकेत लगाने के लिए स्थानीय ह्लह्ल के साथ मिलकर काम करें। ठेकेदारों पर जोर दिया जाना चाहिए कि वे जमीन पर दिखाई देने वाला काम करें, खासकर उन जगहों पर जहां निर्माण कार्य चल रहा हो। एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल और पीडब्ल्टीडू (एनएच) को निर्देश दिया गया है कि वे दुर्घटना-संभावित क्षेत्रों में अपनी पहल पर उपाय करें, जिसमें सड़क चौड़ीकरण, बेहतर जंक्शन डिजाइन और *ब्लैक स्पॉट* को ठीक करने को प्राथमिकता दी जाए। असम के पुलिस महानिदेशक से अनुरोध किया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि मासिक समीक्षा बैठकों में सड़क सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाए, और एसएसपी सक्रिय रूप से स्थानीय स्तर पर नियमों को लागू करने से जुड़े मुद्दों को उठाएं; इनमें हेलमेट पहनना, शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान के लिए *ब्रीथ एनालाइजर* से जांच करना, तेज रफ्तारी पर रोक लगाना, गलत जगह पर पार्किंग रोकना आदि शामिल हैं। कुछ जिलों में सड़कों के किनारे लगने वाले बाजारों को राजमार्गों से दूर हटाना जैसे नए और रचनात्मक उपाय पूरे राज्य में लागू किए जाने चाहिए। अधिकारियों को प्रोत्साहित किया गया है कि वे केवल नियमित विश्लेषण तक ही सीमित न रहें, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने और सुधार के लिए नए और रचनात्मक उपाय अपनाएं; इनमें हर मौत के मामले की अलग से जांच करना और उसके बाद डीआरएससी के माध्यम से व्यवस्थित रूप से आगे की कार्रवाई करना शामिल है और ट्रॉमा केयर (आपातकालीन चिकित्सा सुविधा) को मजबूत करना मुख्य सचिव ने योजना पर विशेष जोर दिया, जिसके लिए असम को *पायलट राज्य* (शुरुआती तौर पर लागू करने वाला राज्य) के रूप में चुना गया है। इस योजना के तहत, सड़क दुर्घटना के सभी पीड़ितों को सात दिनों तक 1.5 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज का अधिकार है। सभी जिला आयुक्तों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इस योजना को पूरी तरह से और सही भावना के साथ लागू करना सुनिश्चित करें। जिला आयुक्त इस योजना को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ विशेष बैठकें करेंगे। स्वास्थ्य विभाग, नोडल एजेंसी के तौर पर ईडीएआर से जुड़े लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए परिवहन और पुलिस विभागों के साथ समन्वय करेगा।

पुरानी कार बेचने के नाम पर ठगी, चार आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सोनापुर थाना क्षेत्र में पुरानी कार बेचने के नाम पर ठगी करने के एक मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपियों ने एक व्यक्ति को सेकेंड-हैंड ब्रेजा कार बेचने का झांसा देकर लगभग पांच लाख रुपए की ठगी की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोनापुर थाना की ईजीपीडी टीम ने बीते सोमवार को अभियान चलाते हुए राहुल चौधरी (27), अमित बोड़ो (19), राजीबुल हक (22) और भाग्यश्री बोड़ो (28) को गिरफ्तार किया। सभी आरोपी सोनापुर क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। बताया गया है कि आरोपियों ने एएस-01जीजे-0706 नंबर की एक सेकेंड-हैंड ब्रेजा कार बेचने का लालच देकर पीडति से बड़ी रकम हासिल कर ली। मामले के उजागर होने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी को दबोच लिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और आगे की जांच जारी है।

संपादकीय

शूटआउट एट ट्रंप

राष्ट्रपति ट्रंप पर हमले का प्रयास न केवल उनकी सुरक्षा-व्यवस्था में दरारों को स्पष्ट करता है, बल्कि अमरीका में खतरनाक, जानलेवा होती 'बंदूक-संस्कृति' पर भी सोचने को बाध्य करता है। राजधानी वॉशिंगटन के 'हिल्टन होटल' में राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति वेंस समेत कैबिनेट के कुछ मंत्रियों को भी निशाना बनाया गया। वाकई यह खौफनाक विचार है। अलबत्ता यह राहत का विषय है कि होटल के उस हॉल में मौजूद करीब 2600 मेहमान भी बाल-बाल बचा लिए गए। 'खौफ और डर से उनकी सांसें ही थम-सी गई होंगी। मौका था 'व्हाइट हाउस' कवर करने वाले संवाददाताओं के रात्रि-भोज का। अभिव्यक्ति की आजादी और राष्ट्रपति-मीडिया के आपसी रिश्तों का प्रतीक माना जाता रहा है यह रात्रि-भोज। कई अतिविशिष्ट लोग भी आमंत्रित होते हैं। सुरक्षाकर्मियों की पहरेदारी और चौकसी बहुत सख्त होती है। उन लम्हों में एक अमरीकी नागरिक के भीतर ट्रंप प्रशासन के प्रति नफरत, आक्रोश, वितृष्णा के भाव पल रहे थे, क्योंकि हमलावर ने अपने परिवार को भेजे एक संदेश में राष्ट्रपति ट्रंप को 'गद्दार' और 'बलात्कारी' करार दिया था। यदि इसे आम अमरीकी की राष्ट्रपति के प्रति मनःस्थिति और सोच का आधार माना जाए, तो राष्ट्रपति ट्रंप के लिए घरेलू हालात भी बदतर और चिंताजनक हैं, लेकिन हम निर्वाचित जन-प्रतिनिधि पर किसी भी तरह के हिंसक प्रहार अथवा ऐसी किसी भी साजिश की निंदा करते हैं और खारिज करते हुए, यकीन रखते हैं कि कानून ऐसे हमलावर को कड़ी सजा देगा। अमरीका ने अब्राहम लिंकन से जॉन एफ. केनेडी तक चार राष्ट्रपतियों को खोया है। उनकी हत्या कर दी गई। इसी 'हिल्टन होटल' में 30 मार्च, 1981 को तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर भी गोलीबारी कर उनकी हत्या करने की कोशिश की गई थी, लेकिन रीगन से ट्रंप तक कई घटनाएं, कई हमले ऐसे हुए हैं, जिनमें राष्ट्रपति बाल-बाल बचे अथवा 'सीक्रेट सर्विस' के कमांडो टाइप जवानों की मुस्तैदी ने उन्हें बचा लिया। राष्ट्रपति बनने से पहले और बाद में ट्रंप पर यह चौथा हमला किया गया, एक हमले में हमलावर की गोली ट्रंप के कान को हवा की तरह छू कर निकल गई, लेकिन अमरीका जैसे प्राचीनतम, सशक्त लोकतंत्र में इस हद की नफरत और हिंसा वाकई चिंतित करती है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए, लिहाजा ट्रंप प्रशासन इस पर गंभीरता से चिंतन-मनन करे और व्यवस्था को बदले। बंदूक गोली-बिस्कुट की तरह उपलब्ध नहीं होनी चाहिए। ऐसा भी नहीं है कि हमलावर कोल थॉमस एलन कोई अशिक्षित, हिंसक अश्वेत समूह का सदस्य था या पेशेवर अपराधी था। वह प्रशिक्षित इंजीनियर है और कोचिंग इंस्टीट्यूट सी-2 में अध्यापक था। सी-2 ने उसे दिसंबर, 2024 में 'टीचर ऑफ द मंथ' का अवार्ड भी मिला था। ऐसा शख्स 'राजनीतिक हत्या' की पराकाष्ठा तक कैसे सोच सकता था? चश्मदीदों का कहना है कि हमलावर ने 7-8 राउंड गोलीबारी की थी और सुरक्षा के दो प्वाइंट पार भी कर लिए थे। वह राष्ट्रपति और मेहमानों तक भी पहुंच सकता था! लेकिन 'सीक्रेट सर्विस' के जवानों ने उसे वहीं दबोच लिया। राष्ट्रपति ट्रंप और सभी मेहमान जिस हॉल में थे, उससे काफी दूरी पर हमलावर था, लेकिन हमले के प्रयास में कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जा सकती। वैसे हमलावर के पास से शॉटगन, हैंडगन, दो बंदूकें, कुछ चाकू बरामद किए गए हैं। क्या एलन एक पेशेवर अपराधी बनने की राह पर था? इस हमले के संदर्भ में ईरान कनेक्शन भी उभरा था और कई आशंकाएं जताई गई थीं, लेकिन उसे राष्ट्रपति ट्रंप ने ही खारिज कर दिया। अमरीकी राष्ट्रपति को ईरान के मुद्दे पर भी बेहद गंभीरता से सोचना चाहिए। यह युद्ध अमरीका की साम्राज्यवादी सोच का भी नतीजा है, लेकिन अमरीका को ईरान को मिट्टी-मलबा करने के बावजूद कुछ भी ठोस हासिल नहीं हुआ है। ट्रंप के पास 1 मई तक का वक्त है। अंततः यह मामला अमरीकी संसद में उठेगा। राष्ट्रपति को 20 और दिन मिल सकते हैं, लेकिन उस वक्त में सैनिकों, युद्धपोतों, लड़ाकू विमानों आदि की वापसी करनी होगी। राष्ट्रपति ट्रंप की तब भी किरकिरी होगी।

> राजधानी वॉशिंगटन के 'हिल्टन होटल' में राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति वेंस समेत कैबिनेट के कुछ मंत्रियों को भी निशाना बनाया गया। वाकई यह खौफनाक विचार है। अलबत्ता यह राहत का विषय है कि होटल के उस हॉल में मौजूद करीब 2600 मेहमान भी बाल-बाल बचा लिए गए। खौफ और डर से उनकी सांसें ही थम-सी गई होंगी। मौका था 'व्हाइट हाउस' कवर करने वाले संवाददाताओं के रात्रि-भोज का। अभिव्यक्ति की आजादी और राष्ट्रपति-मीडिया के आपसी रिश्तों का प्रतीक माना जाता रहा है यह रात्रि-भोज। कई अतिविशिष्ट लोग भी आमन्त्रित होते हैं। सुरक्षाकर्मियों की पहरेदारी और चौकसी बहुत सख्त होती है। उन लम्हों में एक अमरीकी नागरिक के भीतर ट्रंप प्रशासन के प्रति नफरत, आक्रोश, वितृष्णा के भाव पल रहे थे, क्योंकि हमलावर ने अपने परिवार को भेजे एक संदेश में राष्ट्रपति ट्रंप को 'गद्दार' और 'बलात्कारी' करार दिया था। यदि इसे आम अमरीकी की राष्ट्रपति के प्रति मनःस्थिति और सोच का आधार माना जाए, तो राष्ट्रपति ट्रंप के लिए घरेलू हालात भी बदतर और चिंताजनक हैं, लेकिन हम निर्वाचित जन-प्रतिनिधि पर किसी भी तरह के हिंसक प्रहार अथवा ऐसी किसी भी साजिश की निंदा करते हैं और खारिज करते हुए यकीन रखते हैं कि कानून ऐसे हमलावर को कड़ी सजा देगा।

पिछले वर्ष बिहार के चुनाव में 67.25% मतदान हुआ जो 2020 के 57.29 प्रतिशत से 9.96% ज्यादा था

रिकार्ड मतदान के मायने

अवधेश कुमार

भारतीय चुनाव में जो कभी नहीं हुआ वह 2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हो गया। अभी तक 92.86 प्रतिशत मतदान रिकार्ड हुआ है। तमिलनाडु का भी लगभग 85% मतदान एक रिकॉर्ड है। अंतिम आंकड़ा आने के बाद इसमें और वृद्धि होगी। पूर्वोत्तर राज्यों में मतदान प्रतिशत औसत से अधिक रहा है किंतु वहां भी केवल 2018 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में 91.4% मतदान हुआ था। बंगाल में 2011 से मतदान औसत से ज्यादा रहा। 2011 में 84.5%, 2016 में 82.56% और 2021 में 81.56% मतदान हुआ। वैसे 2010 के बाद से मतदान में वृद्धि देशव्यापी प्रवृत्ति रही है। मतदान अंकगणित का विषय है लेकिन इसकी परिणति राजनीतिक होती है और उनके मायने राजनीति के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम तक जाते हैं। बंगाल का दूसरा चरण अभी बाकी है इसलिए संपूर्ण मूल्यांकन उसके बाद ही होगा। पर चुनाव के दौरान बने हुए माहौल का संकेत यही है कि मतदान की रिकॉर्ड प्रवृत्ति में ज्यादा अंतर नहीं आने वाला और यहीं संकेत भी छिपा हुआ है। 2010 के पहले सामान्य मतदान में वृद्धि को सत्तारूढ़ पार्टी या घटकों की पराजय के रूप में देखा जाता था और अधिकतर मामलों में ऐसा ही हुआ। बाद में यह प्रवृत्ति बदल गई। मतदान बढ़ने के बावजूद सरकारें वापस आती रहीं और मतदान घटना पर भी कई सरकारें गई हैं। इसलिए सामान्यतः मतदान का प्रतिशत किसी सरकार के जाने या नई सरकार के आने या इसके विपरीत राजनीति परिणाम का निश्चयात्मक संकेत नहीं माना जा सकता। बंगाल में 2011 में 84.5 प्रतिशत का रिकार्ड मतदान हुआ और वामपंथी मोर्चे की 34 वर्षों की स्थापित सरकार चली गई। उसके बाद मतदान प्रतिशत थोड़ा-थोड़ा घटा किंतु ममता वापस आती रहीं। चुनाव आयोग द्वारा विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान या एसआईआर की प्रक्रिया के कारण अब वास्तविक मतदाताओं के नाम ही बचे हैं इसलिए हर राज्य में मतदान प्रतिशत संतोषजनक होगा। पिछले वर्ष बिहार के चुनाव में 67.25% मतदान हुआ जो 2020 के 57.29 प्रतिशत से 9.96% ज्यादा था। बिहार में लगभग 65 लाख नाम एसआईआर की प्रक्रिया में हटाए गए थे। बंगाल में कुल 90 लाख 83 हजार 345 मतदाताओं का नाम सूची से हटा। कई लाख मतदाताओं ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई हुई है और न्यायिक प्राधिकरणों को फैसला करना है। किंतु 7.66 करोड़ की जगह मतदाताओं की संख्या 6.7 करोड़ रह गई। यह सच नहीं है कि प्रतिशत ज्यादा होते हुए भी कुल मतों की संख्या इतनी नहीं बढी। पिछले चुनाव से लगभग 26 लाख ज्यादा मतदाताओं ने मतदान किया। भारी संख्या में मृतक, दूसरे जगह चले गए या दो जगह नाम वाले या कुछ फर्जी नाम मतदाता सूची में थे और उनके नाम मतदान होते थे जिनकी संख्या बहुत बड़ी थी। इनके नाम पर कितने वोट डाले गए इसकी गणना कोई नहीं कर सकता। अगर 6.77 करोड़ मतदाताओं के आधार पर पिछला मतदान होता तो मतदाताओं की संख्या कम होती और इस बार वृद्धि बहुत ज्यादा होती। इस महत्वपूर्ण पहलू की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। 2011 में ममता बनर्जी ने लगभग 5 वर्षों के अनवरत संघर्ष और आक्रामकता से मतदाताओं में वामपंथी सरकार के विरुद्ध गुस्सा एवं आलोड़न पैदा किया था। वाम मोर्चा समर्थक भी उनके साथ आये और तृणमूल का अपना भी आधार खड़ा हुआ। जब से भाजपा ने बंगाल में अपनी विचारधारा और राजनीति को जमीन पर उतारने का अभियान चलाया ममता के विरुद्ध समाज के निचले स्तरों पर जबरदस्त आलोड़न है और कुछ महीनों में 2011 पूर्व की स्थिति ममता एवं भाजपा के संदर्भ में उल्टी है। ममता समर्थक और विरोधी तथा भाजपा समर्थक और विरोधी दोनों पक्षों में स्वयं और अपने मतदाताओं को ज्यादा संख्या में मतदान केन्द्रों तक पहुंचाने की प्रबल भावना है। 2019 लोकसभा चुनाव में इसका परिणाम दिखा जब भाजपा ने 40% मत के साथ राज्य 18 सीटें जीत ली। 2018 पंचायत चुनाव में भी जबरदस्त आलोड़न था और संकेत मिल गया कि भाजपा जमीन पर नीचे तक पहुंची है तथा राज्य से कांग्रेस और वाम दलों का लगभग सफाया हो चुका है। भाजपा और उसके विरोधियों की दो ध्रुवीय राजनीति में पक्ष और विपक्ष दोनों तरह की लहर भारत में देखा गया है। 2021 में भी भाजपा ने वातावरण बनाने की कोशिश की पर तब तीन सीटों से बहुमत के 148 तक पहुंचना बंगाल के सामाजिक - सांप्रदायिक समीकरणों में कठिन था। इसलिए, लगभग 38% मत के साथ हुआ 77 सीटों तक पहुंच पाये। कोरोना महामारी के कारण बनाए गए सरकार विरोधी माहौल का भी थोड़ा असर हुआ। बंगाल में 1967 के बाद से ही मतदाताओं की सुरक्षा आम लोगों के लिए हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है। चुनावी रैगिंग या धांधली प्रदेश का स्वाभाविक चरित्र पिछले 60 सालों में बना रहा है। कांग्रेस फिर वाम दल और तृणमूल कांग्रेस ने भी इस प्रवृत्ति को ज्यादा निष्ठुरता से कायम रखा। इस बार मतदाताओं का बड़ी संख्या में निकलने का एक प्रमुख कारण मतदान और बाद में के लिए दिखता सुरक्षा आश्वासन था। पहले चरण के लिए केंद्रीय बलों की 2407 कंपनी, 2193 क्विक रिस्पांस टीम व 40,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। जहां कुछ कुछ समस्या हो रही थी मतदान के पहले से ही केंद्रीय बल तुरंत पहुंचते थे। मतदान के दौरान जहां भी समस्या आई सुरक्षा बल ज्यादातर पहुंचे। इसके बावजूद दक्षिण दिनाजपुर के एक भाजपा उम्मीदवार को लोगों द्वारा खदेड़ने और पकड़ कर पिटाई करते वीडियो देखने से अनुमान लग जाता है कि मतदान कैसे भय और आतंक के वातावरण में होता रहा। सुरक्षा व्यवस्था के कारण ही हिंसा में भी रिकार्ड कमी आई। मतदान बाद निश्चित समय तक केंद्रीय बलों की उपस्थिति के निर्णय ने भी मतदाताओं में सुरक्षा भाव पैदा किया। 2021 उसके पहले 2019 और 2018 तीनों चुनावों में मतदान बाद की हिंसा और लोगों के पलायन से भय का माहौल बना था। चुनाव अभियान के बीच प्रदेश की यात्रा करने वालों को 2026 में माहौल में बदलाव दिख रहा था। मतदाता धीरे-धीरे खुलकर अपना मत प्रकट करने लगे थे। लंबे समय बाद मतदान हत्याविहीन, न्यूनतम हिंसा और निर्भयता के वातावरण में संपन्न हुआ है। निस्संदेह, परिणाम में भी यह दिखाई देगा। ममता और समर्थकों की आक्रामकता का जवाब भाजपा ने भी प्रति आक्रामकता से दिया। गृह मंत्री अमित शाह तक के भाषणों में भी आक्रामकता थी ताकि उनके समर्थक मतदाता भयरहित होकर मतदान के लिए निकलें और आक्रमण होतो उसका प्रतिकार करें या सुरक्षा बलों तक सूचना पहुंचाएं। ममता ने अपनी शैली में हमलावर प्रचार किया और यहां तक कहा कि किसी कार्यकर्ता के साथ कार्रवाई होगी तो सरकार उसके साथ खड़ी ही नहीं रहेगी बल्कि कुछ संस्थाओं के मामले में यहां तक कहा कि उसको हम सरकारी नौकरी दे देंगे। पहले भी ममता उन सबकी रक्षा में सामने दिखीं जिनके विरुद्ध भ्रष्टाचार या अपराध के मामलों में केंद्रीय एजेंसियों ने कार्रवाई की। इसका असर उनके घोर समर्थकों पर था। देश भर में आम मुसलमान भाजपा के विरुद्ध मतदान करता है और उनकी संख्या कहीं कहीं शत-प्रतिशत तक चली जाती है। बंगाल में उनकी आबादी 29 से 30 प्रतिशत के बीच होगी। वे भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए मतदान करने निकले ही होंगे। उसकी प्रतिक्रिया में गैर मुस्लिम समुदाय भी निकले हैं जो टीवी कैमरों पर दिख रहे थे। मुर्शिदाबाद, मालदा, दक्षिण दिनाजपुर आदि जिलों में निकले मतदाता गवाही दे रहे थे कि दोनों पक्षों में करो या मरो का भाव पैदा हो चुका है। जिलों के हिसाब से देखें तो दक्षिण दिनाजपुर में 95.4%, मालदा में 94.43%, मुर्शिदाबाद में 93.58%, उत्तर दिनाजपुर में 94.15%, अलीपुरद्वार में 92.69%, झारग्राम में 92.5%, पश्चिम मेदिनीपुर में 92.118%, बांकुरा में 92.50%, पूर्वी मेदिनीपुर में 91.20 प्रतिशत, तथा कूच बिहार में सबसे अधिक 96% मतदान हुआ है। इस दौर में सबसे कम कालिमपोंग में 83.07 प्रतिशत, दार्जिलिंग में 88.80 प्रतिशत, पश्चिम वर्धमान में 90.33% तथा पुरुलिया में 90.91% मतदान हुआ। साफ है कि जहां एक पक्ष कम रहा वहां मतदान प्रतिशत कम हुआ और दार्जिलिंग, कालिमपोंग आदि इसके उदाहरण हैं।

> तमिलनाडु का भी लगभग 85% मतदान एक रिकॉर्ड है। अंतिम आंकड़ा आने के बाद इसमें और वृद्धि होगी। पूर्वोत्तर राज्यों में मतदान प्रतिशत औसत से अधिक रहा है किंतु वहां भी केवल 2018 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में 91.4% मतदान हुआ था। बंगाल में 2011 से मतदान औसत से ज्यादा रहा। 2011 में 84.5%, 2016 में 82.56% और 2021 में 81.56% मतदान हुआ। वैसे 2010 के बाद से मतदान में वृद्धि देशव्यापी प्रवृत्ति रही है। मतदान अंकगणित का विषय है लेकिन इसकी परिणति राजनीतिक होती है और उनके मायने राजनीति के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम तक जाते हैं। बंगाल का दूसरा चरण अभी बाकी है इसलिए संपूर्ण मूल्यांकन उसके बाद ही होगा। पर चुनाव के दौरान बने हुए माहौल का संकेत यही है की मतदान की रिकॉर्ड प्रवृत्ति में ज्यादा अंतर नहीं आने वाला और यहीं संकेत भी छिपा हुआ है।

कुछ अलग

कटी नाक पर पेड़ उगे

बाबा तुल्लूदीन कहते हैं कि आज से बारह साल पहले जब देश आजाद नहीं था, जवाब कटघरे में हुआ करते थे। अगर जवाब ठीक नहीं होता था तो नेताओं को कटघरे में खड़ा कर दिया जाता था। बाज मर्तबा इस्तीफे तक हो जाते थे। लेकिन जब से कटी नाक पर पेड़ उगना शुरू हुए हैं, नेताओं की देखा-देखी आम लोगों ने भी इन्हीं कटी नाकों पर उगे पेड़ों के साये में ऊंघना शुरू कर दिया है। सूर्पणखा और सीता में भेद करना डॉन को पकडने की तरह मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन भी हो चुका है। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व वट वृक्ष की तरह फैलकर इतने सघन हो गए हैं कि पता ही नहीं चलता कि कौन किसके पेड़ के साये में ऊंघ रहा है। देश में खर्राटों की आवाज इतनी बढ़ गई है कि अब अपने सीने की धडकन भी सुनाई नहीं देती। जनाब शहरयार ने पता नहीं क्या सोच कर शे'र कहा था- सीने में जलन आंखों में तूफान सा क्यों है, इस शहर में हर शख्स परेशान सा क्यों है। सीने में जलन होने पर लोग अब ईनो पी लेते हैं, आंखों में तूफान आने पर अपने ईमान को कपड़े की तरह उन पर लपेट लेते हैं। इसलिए परेशानी का कोई सबब नहीं बचता। अगर इससे भी काम न बने तो किसी रात साढ़े आठ बजे देश के नाम संबोधन में सत्ता अपनी मक्कारी, अय्यारी और नाकामी के ठीकरे विपक्ष और अवाम पर फोड़ देती है। बाबा कहते हैं कि पता नहीं क्या वजूहात हैं कि डोनाल्ड डक द्वारा घोर बेइज्जती की सेंचरी मारने के बाद भी अवतारी उफ तक नहीं करते। कितना धैर्य है, कितनी सहनशीलता है इस महामानव में। यह तो उनके द्वारा हिमालय में की गई तपस्या का ही कमाल हो सकता है।

देश दुनीया से

नशा, मानसिक विकार व मरती संवेदनाएं

हमारे समाज में समय-समय पर घटित होने वाली हिंसात्मक और अमानवीय घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की विफलता का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि वे हमारे सामाजिक ढांचे में व्याप्त गहरे अंतर्विरोधों और समस्याओं का भी संकेत देती हैं। जब किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ क्रूरता की हदें पार कर दी जाती हैं, तो यह केवल एक अपराध नहीं रह जाता, बल्कि हमारे समाज की संवेदनशीलता, नैतिकता और मानवीय मूल्यों पर एक गहरा प्रश्नचिह्न बनकर उभरता है। किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति अकेले केवल उसके भौतिक विकास से नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और संतुलित जीवन पर भी निर्भर करती है। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और युवाओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य समाज का प्रमुख मानक होती है। यदि समाज का कोई वर्ग भय और असुरक्षा के वातावरण में जीने को विवश हो, तो यह उस समाज की सामूहिक विफलता को दर्शाता है। हमारे समाज में घटने वाली ऐसी घटनाओं के पीछे कई जटिल और परस्पर जुड़े हुए कारण है, जिसमें से नशे की बढ़ती प्रवृत्ति एक प्रमुख कारण माना जा सकता है। आज नशा केवल व्यक्तिगत आदत या मनोरंजन का साधन नहीं रहा, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक समस्या का रूप ले चुका है। अब नशा केवल शराब, बीड़ी, गुटखा और तंबाकू तक सीमित नहीं है, बल्कि सिंथैटिक ड्रग्स के प्रयोग से परिणाम अत्यंत भयावह होता प्रतीत हो रहा है। ऐसे नशे के बढ़ते प्रभाव ने न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित किया है, बल्कि उसके व्यवहार, सोच और सामाजिक संबंधों को भी विकृत कर दिया है। नशे का यह रासायनिक रूप व्यक्ति के मस्तिष्क को इस कद्र प्रभावित करता है कि उसकी निर्णय क्षमता क्षीण हो जाती है, परिणामस्वरूप उसके भीतर आक्रामकता, असंवेदनशीलता और हिंसात्मक प्रवृत्तियां जन्म लेने लगती हैं। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञ तथा शोध बताते हैं कि शिक्षा और रोजगार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सामाजिक अपेक्षाओं का बोझ, पारिवारिक संवाद की कमी और डिजिटल दुनिया का बढ़ता प्रभाव इत्यादि कारक भी युवाओं को मानसिक रूप से कमजोर बना रहे हैं। ऐसे में जब उन्हें सही मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग नहीं मिलता, तो वे नशे की ओर आकर्षित हो जाते हैं। वहीं सोशल मीडिया और मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग भी इस समस्या को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जहां एक ओर ये तकनीकें हमें जोडने का कार्य करती हैं, वहीं दूसरी ओर ये हमें वास्तविक संबंधों से दूर भी कर रही हैं। परिवारों में संवाद की कमी, आपसी समझ का अभाव और भावनात्मक दूरी जैसी समस्याएं भी धीरे-धीरे गहराती जा रही हैं। ऐसे में युवा अकेलापन और तनाव महसूस करते हैं, जो उन्हें गलत दिशा में धकेल देता है। परिवार, जो किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण की पहली पाठशाला होता है, इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आज माता-पिता को अपने बच्चों की केवल भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि उन्हें उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर भी सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश तथा सही दिशा में मार्गदर्शन देने से उन्हें गलत रास्ते पर जाने से रोका जा सकता है। इस बाबत परिवार के बाद समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश, आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां लोग दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचते हैं, चाहे वह मामला कितना ही गंभीर क्यों न हो। कई बार हम किसी व्यक्ति के गलत व्यवहार को नजरअंदाज कर देते हैं या उसे सामान्य मान लेते हैं। कुछ मामलों में आक्रामकता और असामाजिक व्यवहार को 'दबंगई' या 'मर्दानगी' के रूप में भी देखा जाता है, जो कि एक खतरनाक मानसिकता को बढ़ावा देता है। यदि समाज समय रहते ऐसे संकेतों को पहचानकर उचित कदम उठाए, तो कई बड़ी घटनाओं को रोका जा सकता है। हालांकि सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। नशे के अवैध व्यापार पर नियंत्रण, कानूनों का सख्ती से पालन और अपराधियों को त्वरित एवं कठोर दंड इत्यादि सार्थक कदम हैं। लेकिन इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि सरकार मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी सुदृढ़ करने में अहम भूमिका का निर्वहन करें। आज स्कूलों और कॉलेजों में कैरियर काउंसलिंग के अलावा मानसिक विकारों सम्बन्धी काउंसलिंग की अत्यंत जरूरत है, ताकि युवा अपनी समस्याओं को खुलकर साझा कर सकें और उन्हें उचित मार्गदर्शन मिल सके। वहीं नशा मुक्ति केंद्रों को भी केवल औपचारिकता तक सीमित न रखकर, उन्हें प्रभावी और सुलभ बनाने की कवायद है। शिक्षा में छात्रों को केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रखकर नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और जीवन कौशल के बारे में भी शिक्षित करना आवश्यक है। जब तक हम अपने युवाओं को मानसिक रूप से सशक्त और नैतिक रूप से जागरूक नहीं बनाएंगे, तब तक इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। अब समय केवल घटनाओं पर दुख व्यक्त करने का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का है। हमें यह समझना होगा कि समाज की समस्याएं किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार की जिम्मेदारी नहीं हैं, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि हम अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझें और उन्हें ईमानदारी से निभाएं, तो हम एक सुरक्षित, संवेदनशील और जागरूक समाज का निर्माण कर सकते हैं। हमें यह निर्णय लेना होगा कि हम किस प्रकार का समाज बनाना चाहते हैं। एक ऐसा समाज जहां भय, हिंसा और असंवेदनशीलता का वर्चस्व हो, या एक ऐसा समाज जहां मानवीय मूल्यों, सहानुभूति और आपसी सम्मान का स्थान हो। यह चुनाव हमारे हाथ में है, और यही चुनाव हमारे भविष्य को निर्धारित करेगा। यदि हम आज नहीं जागे, तो आने वाली पीढियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम समय रहते चेत जाएं और सही दिशा में कदम उठाएं, तो हम एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, सम्मानित और स्वतंत्र महसूस कर सके। यही सच्चे अर्थों में प्रगति और मानवता की पहचान होगी।

> हमारे समाज में घटने वाली ऐसी घटनाओं के पीछे कई जटिल और परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिसमें से नशे की बढ़ती प्रवृत्ति एक प्रमुख कारण माना जा सकता है। आज नशा केवल व्यक्तिगत आदत या मनोरंजन का साधन नही रहा, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक समस्या का रूप ले चुका है। अब नशा केवल शराब, बीड़ी, गुटखा और तंबाकू तक सीमित नहीं है, बल्कि सिंथैटिक ड्रग्स के प्रयोग से परिणाम अत्यंत भयावह होता प्रतीत हो रहा है। ऐसे नशे के बढ़ते प्रभाव ने न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित किया है, बल्कि उसके व्यवहार, सोच और सामाजिक संबंधों को भी विकृत कर दिया है।

आप का नजरीया

पर्यटन के ध्यानू भक्त

धार्मिक पर्यटन की आंख से अब अगर नादौन खुद को देखने लगा है, तो ध्यानू भक्त की समाधि पर मेला लगेगा और इससे पहले अधिग्रहण की फाइल मुकम्मल होनी चाहिए। गनीमत यह कि सरकार ने कोशिश तो शुरू की वरना यह स्थल वर्षों से अपनी आध्यात्मिक शक्ति के बावजूद उपेक्षित हो रहा है। हमने इस संदर्भ में इन्हीं कालमों में यह सुझाव बार-बार दिया है, लेकिन यहां बिखरे धार्मिक चुंबक को पहचाना ही नहीं गया। प्रदेश में कुछ अन्य जगह भी ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जो अगर अधिग्रहित होते हैं, तो पर्यटन समीक्षा से ये स्थल अपनी संभावनाओं में विकास कर सकते हैं। कांगड़ा जिला के मुख्यालय धर्मशाला का हनुमान मंदिर ब्रिटिश हिस्ट्री के लफ्जों में श्रद्धा का केंद्र बना, लेकिन आज भी इसका प्रबंधन पुलिस के अधीन है। इसके विकास में स्मार्ट सिटी परियोजना ने काफी धन निवेश किया है, लेकिन उचित दृष्टि के प्रबंधन की जरूरतें, इसके सीधे प्रशासनिक अधिग्रहण से ही पूरी होंगी। इसी तर्ज पर बगलामुखी मंदिर के व्यावसायीकरण व विकास की जहां तारीफ होती है, वहीं धार्मिक पर्यटन के उचित मूल्यांकन के लिए सरकारी अधिग्रहण की वकालत हो रही है। आजादी के बाद हिमाचल में नए पर्यटन केंद्रों के रूप में शिकारी देवी, जंजैहली घाटी, सांगला वैली व बीड़-बिलिंग अपनी क्षमता से आगे बढ़े हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में नादौन की ऐतिहासिक व धार्मिक विरासत तथा ब्यास नदी का तटीय परिवेश इसे संभावनाओं से भर देता है। इसी की परिधि में गरली-परागपुर का धरोहर मूल्य तथा ज्वालामुखी का धार्मिक परिदृश्य जुड़ जाता है। ऐसे में अगर व्यापक दृष्टि से देखें तो ज्वालामुखी पर्यटन सर्किट के तहत नादौन, गरली-परागपुर तथा हरिपुर गुलेर तक का एक पर्यटन मानचित्र बनना चाहिए। गरली-परागपुर, हरिपुर गुलेर और पौंग जलाशय को देखते हुए इस क्षेत्र में फिल्म सिटी का शुभारंभ हो सकता है। प्रदेश के प्रमुख मंदिरों के साथ धार्मिक, धरोहर, कृषि व बागबानी को जोड़ते हुए कई सर्किट विकसित हो सकते हैं। मसलन दियोटसिद्ध, चिंतपूर्णी, नैनादेवी, चामुंडा, कांगड़ा, बालासुंदरी व ज्वालामुखी मंदिर सर्किट बना कर, कई तरह के पर्यटन आकर्षण जोड़े जा सकते हैं। बालासुंदरी मंदिर सर्किट को नया आयाम दें, तो तीर्थयात्री फॉसिल पार्क, श्रीरेणुका झील व नाहन को जोड़ते हुए अपना यात्रा वृत्तांत बढ़ा पाएंगे। दियोटसिद्ध मंदिर सर्किट के तहत ऊना तक भाखड़ा बांध से जुड़े कई आकर्षण तथा साहसिक पर्यटन की संभावनाएं विकसित हो पाएंगी। कहना न होगा कि हर मंदिर सर्किट को विकसित करते हुए, नए निवेश केंद्र तथा आर्थिकी का विकास होगा। इन सर्किट के मार्फत हमें हिमाचल की संस्कृति, गीत-संगीत तथा पारंपरिक कलाओं को जोड़ते हुए सांस्कृतिक पर्यटन का आगाज करना होगा। उदाहरण के लिए ज्वालामुखी मंदिर सर्किट के तहत कालेश्वर महादेव का बैसाखी समारोह तथा परागपुर का लोहड़ी महोत्सव राष्ट्रीय स्तर की पहचान बना सकते हैं। हिमाचल में प्रवासी मजदूरों के आने से नादौन जैसे स्थान पर छठ उत्सव भी होने लगे हैं। मंदिर सर्किट के अलावा अब फोरलेन परियोजनाओं को देखते हुए हाई वे पर्यटन सर्किट बना कर पूरे हिमाचल में नए स्थान व नई निवेश संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। नादौन के आसपास अगर एक साइंस सिटी विकसित की जाए, तो यह स्कूल पर्यटन की एक पहल होगी। इसी तरह प्रदेश में पौंग, गोबिंदसागर, कोल डैम जैसे कृत्रिम बांधों तथा प्राकृतिक झीलों की क्षमता में युवा पर्यटन की महफिलें और विकसित होंगी, हमें सिर्फ इनके बेस कैंप तथा सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता करने होंगे।

> आजादी के बाद हिमाचल में नए पर्यटन केंद्रों के रूप में शिकारी देवी, जंजैहली घाटी, सांगला वैली व बीड़-बिलिंग अपनी क्षमता से आगे बढ़े हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में नादौन की ऐतिहासिक व धार्मिक विरासत तथा ब्यास नदी का तटीय परिवेश इसे संभावनाओं से भर देता है। इसी की परिधि में गरली-परागपुर का धरोहर मूल्य तथा ज्वालामुखी का धार्मिक परिदृश्य जुड़ जाता है। ऐसे में अगर व्यापक दृष्टि से देखें तो ज्वालामुखी पर्यटन सर्किट के तहत नादौन, गरली-परागपुर तथा हरिपुर गुलेर तक का एक पर्यटन मानचित्र बनना चाहिए। गरली-परागपुर, हरिपुर गुलेर और पौंग जलाशय को देखते हुए इस क्षेत्र में फिल्म सिटी का शुभारंभ हो सकता है। प्रदेश के प्रमुख मंदिरों के साथ धार्मिक, धरोहर, कृषि व बागबानी को जोड़ते हुए कई सर्किट विकसित हो सकते हैं। मसलन दियोटसिद्ध, चिंतपूर्णी, नैनादेवी, चामुंडा, कांगड़ा, बालासुंदरी व ज्वालामुखी मंदिर सर्किट बना कर, कई तरह के पर्यटन आकर्षण जोड़े जा सकते हैं। बालासुंदरी मंदिर सर्किट को नया आयाम दें, तो तीर्थयात्री फॉसिल पार्क, श्रीरेणुका झील व नाहन को जोड़ते हुए अपना यात्रा वृत्तांत बढ़ा पाएंगे।

दृष्टि कोण

ट्रंप कोई राजा नहीं हैं

यह विडंबना है कि राजा और राष्ट्रपति के बीच के अंतर को स्पष्ट करने का कार्य अलेक्जेंडर हैमिल्टन को सौंपा गया। दरअसल, हैमिल्टन ने अमरीका की संविधान सभा की शुरुआत में ब्रिटिश राजशाही की तर्ज पर एक राष्ट्रपति पद का प्रस्ताव दिया था, जिसमें आजीवन कार्यकाल और व्यापक वीटो शक्तियां शामिल थीं। जब 1787 की संविधान सभा में उनका प्रस्ताव खारिज कर दिया गया, तो वह नाराज होकर सभा से बाहर चले गए, और कई हफ्तों बाद वापस लौटे। लेकिन अंततः वह उस अमरीकी राष्ट्रपति पद के सबसे मजबूत समर्थकों में से एक बन गए जैसा कि सभा में डिजाइन किया गया था, और इसके समर्थन में अधिकांश फेडरलिस्ट पेपर्स लिखे। फेडरलिस्ट नंबर 69 में उन्होंने अमरीकी राष्ट्रपति और राजा के बीच तुलना को गलत ठहराया, यह बताते हुए कि राष्ट्रपति को चुना जाएगा, वह नियमित चुनावों के अधीन होगा, और उसको महाभियोग का सामना करना पड़ सकता है। अमरीका के इतिहास में, राष्ट्रपति पर अक्सर यह आरोप लगाया गया है कि वे राजाओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं या अपनी संवैधानिक शक्तियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। जॉर्ज वॉशिंगटन को उनके औपचारिक शैली और समारंभिक उपस्थिति के लिए आलोचना की गई थी। जेफरसनियन रिपब्लिकन ने उन्हें 'लोकप्रिय प्रशंसा में, राजा की तरह डूबे हुए' कहा। एंड्रयू जैक्सन को उनके वीटो के आक्रामक उपयोग के कारण 'किंग एंड्रयू द फर्स्ट' उपनाम मिला। अब्राहम लिंकन को civil war के दौरान हैबियस कॉर्पस निलंबित करने के लिए एक तानाशाह कहा गया। थियोडोर रुजवेल्ट को उनकी कार्यकारी शक्तियों के विस्तार के कारण 'थियोडोर रेक्स' उपनाम मिला, और उनके कजिन फ्रैंकलिन रुजवेल्ट को सुप्रीम कोर्ट के विस्तार का प्रस्ताव देने पर 'राजसी' महत्वाकांक्षाओं का आरोप लगा। रिचर्ड निक्सन के राष्ट्रपति पद ने 'इम्पीरियल प्रेसीडेंसी' शब्द को जन्म दिया, और बराक ओबामा को उनके कार्यकारी आदेशों के व्यापक उपयोग के कारण 'धूर्त राजा' कहा गया। पिछले माह, आठ मिलियन से अधिक अमरीकियों ने 'नो किंग्स रैलीज' में भाग लिया, जो राष्ट्रपति ट्रंप के ऐसे कृत्यों का विरोध कर रहे थे जिन्हें आलोचकों ने तानाशाही पूर्ण बताया। सर्वेक्षणों से भी समान चिंताएं सामने आई हैं। पिछले महीने एक रिपोर्ट, जो लगभग 600 राजनीतिक वैज्ञानिकों के उत्तरों पर आधारित थी, ने संयुक्त राज्य अमरीका को एक उदार लोकतंत्र और एक तानाशाही के बीच स्थित बताया। इसी तरह, स्वीडन के वी. डेम इंस्टीट्यूट ने अमरीकी लोकतंत्र की वैश्विक रैंकिंग में एक तेज गिरावट दर्ज की, जो 179 देशों में 20वें स्थान से गिरकर 51वें स्थान पर पहुंच गई। लेकिन ग्राउंड पर जो घटनाएं हो रही हैं, वे यह संकेत देती हैं कि राष्ट्रपति की अनियंत्रित शक्तियों के बारे में डर कुछ हद तक बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। हाल की कानूनी विफलताएं और राज्य और स्थानीय सरकारों से प्रतिरोध यह दर्शाते हैं कि ट्रंप प्रशासन के पास पूरी तरह से निरंकुश अधिकार नहीं हैं। चुनावी रुझान भी संभावित प्रतिबंधों की ओर इशारा करते हैं, क्योंकि ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी की हाल की हार से यह संभावना बन रही है कि कांग्रेस में एक और जांच होगी, या फिर ट्रंप के खिलाफ एक और महाभियोग प्रक्रिया चल सकती है, जो कथित शक्ति के दुरुपयोग के कारण हो सकता है। कंजर्वेटिव दृष्टिकोण से सुप्रीम कोर्ट के बावजूद, ट्रम्प प्रशासन को महत्वपूर्ण न्यायिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है। जनवरी 2025 के बाद से, इसे 350 से अधिक मुकदमों का सामना करना पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप 25 से अधिक ट्रम्प के राष्ट्रीय आदेशों को रोका गया है।

बांसवाड़ा हिंसा : तीस से अधिक मकान जले, छह संदिग्ध हिरासत में

बांसवाड़ा (हिंस)। जिले के मोटा गांव थाना क्षेत्र स्थित टामटिया आड़ा गांव में युवक की हत्या के बाद उपजा आक्रोश हिंसक रूप ले गया। गुस्साई भीड़ ने आरोपियों के घरों पर हमला कर तोड़फोड़ की और आगजनी की घटना में 30 से अधिक कच्चे मकान जलकर खाक हो गए, जबकि कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि मृतक गोविंद की हत्या के मामले में उसके पिता छगन की रिपोर्ट पर नानु उर्फ नानालाल, विजय, सुनील, अनिल, रूपा, देवीलाल, गणेश, भरत, नरेश, हालिया, अनिल कटारा और हरीश डामोर सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक छह संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। मंगलवार को कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कराया गया।

बहरूपिया बयान पर गरमाई राजस्थान की सियासत, पायलट के समर्थन में एकजुट हुई कांग्रेस

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की राजनीति में लंबे समय से आंतरिक गुटबाजी से जूझ रही कांग्रेस अब भाजपा के बाहरी हमलों के खिलाफ पूरी मजबूती से एकजुट नजर आ रही है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल द्वारा वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट को *बहरूपिया* कहने और उनकी निष्ठा पर सवाल उठाने वाले बयान ने प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस के भीतर वर्षों से अलग-अलग गुटों में बंटे नेता अब सचिन पायलट के समर्थन में एक मंच पर दिखाई दे रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा सहित कई नेताओं ने भाजपा प्रभारी के बयान को अशोभनीय बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया

दी है और बिना शर्त माफी की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा की टिप्पणी को उसकी गिरती राजनीतिक संस्कृति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणी और अपमानजनक भाषा का प्रयोग भाजपा की आदत बन चुकी है। डोटासरा ने कहा कि भाजपा नेतृत्व को अपने पदाधिकारियों की भाषा और व्यवहार पर नियंत्रण रखना चाहिए, अन्यथा जनता ऐसे आचरण को कभी स्वीकार नहीं करेगी। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने तीखे अंदाज में भाजपा प्रभारी पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान में राधा मोहन दास अग्रवाल की पहचान तक नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीति में मुद्दों पर बहस होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत चरित्र हनन किया जाना चाहिए। खाचरियावास ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर कर रही है और जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए व्यक्तिगत हमलों का सहारा ले रही है। कांग्रेस नेता दिव्या मदेरणा ने भाजपा के बयान को संकीर्ण मानसिकता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा जनहित से जुड़े सवालों पर जवाब देने के बजाय निजी हमलों के जरिए राजनीतिक विमर्श को दूषित कर रही है। मदेरणा ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह के बयानों पर मौन रहना अप्रत्यक्ष समर्थन देने जैसा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश की आधी आबादी को वह सम्मान दिया, जो पूर्ववर्ती सरकारें नहीं दे सकीं : नितिन नवीन

वाराणसी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को बरेका में आयोजित *जनआक्रोश महिला सम्मेलन* में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जमकर गुणगान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले एक दशक से प्रधानमंत्री ने देश की आधी आबादी को वह सम्मान दिया है, जो पूर्ववर्ती सरकारें नहीं दे सकीं। प्रधानमंत्री ने सिर्फ अपनी ही मां का सम्मान नहीं किया बल्कि देश की माताओं का भी सम्मान किया है। प्रधानमंत्री मोदी की जमकर प्रशंसा करते हुए नवीन ने कहा कि वह उस मां को नमन करते हैं, जिन्होंने नरेंद्र मोदी जैसे पुत्र को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए किए गए कार्य सराहना और गर्व के पात्र हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से आज करोड़ों महिलाओं को चुल्हें के धुएं से मुक्ति मिली है। केंद्र व राज्य में महिलाओं के हित में उठाए गए कदमों का उल्लेख कर उन्हो कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाहे हर घर शौचालय हो या उज्ज्वला योजना, इससे आपके आसुओं को पोंछने का काम किया। लेकिन विपक्ष ने आपका रास्ता रोकने का काम किया है। लेकिन हमें पता है कि जब-जब पीएम ने संकल्प लिया, उसे पूरा किया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को घर का मालिकाना हक दिया गया, जिससे उनका सामाजिक सम्मान बढ़ा है। आज महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं के जीवन में जो सकारात्मक बदलाव आया है, वह अभूतपूर्व है। आज महिलाएं एआई से लेकर ओलंपियाड और खेल का नेतृत्व कर रही हैं। बेटी बढ़ाओ बेटी बचाओ जैसी योजनाओं से महिलाएं और बेटियां सशक्त हो रही हैं। ट्रिपल तलाक पर लिए गए फैसले से मुस्लिम महिलाओं को सम्मान मिला है। भाजपा अध्यक्ष ने काशी की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि काशी केवल एक शहर या भौगोलिक इकाई नहीं है, बल्कि एक जीवंत चेतना भी है। जिस प्रकार मां गंगा भारतीय संस्कृति को सिंचित करती हैं, उसी प्रकार देश की महिलाएं परिवार और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जनसभा में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित कई मंत्री और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जयपुर में सनातन संवाद : मंदिर प्रबंधन-सामाजिक व्यवस्था और जनजागरण पर हुआ मंथन

जयपुर (हिंस)। संस्कृति युवा संस्था की ओर से *सनातन संवाद-प्रथम कड़ी* का आयोजन मंगलवार को स्टेच्यू सर्किल के पास स्थित एक होटल में हुआ। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि रहे। संवाद में सनातन मूल्यों की प्रासंगिकता, मंदिर प्रबंधन, परिवार व्यवस्था, सामाजिक समरसता और जनजागरण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि वासुदेव देवनानी ने कहा कि सनातन संस्कृति समाज की आधारशिला है और इसे सशक्त बनाए रखने के लिए संवाद, जागरूकता और समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच समाज को सही दिशा देने में सहायक होते हैं। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि गृहस्थ परंपरा से संचालित मंदिर आज भी समाज में जीवंत और प्रभावी व्यवस्था के रूप में कार्य कर रहे हैं। परिवार आधारित सेवा परंपरा में श्रद्धा, जिम्मेदारी और पारदर्शिता का संतुलन देखने को मिलता है, जिससे मंदिर समाज से जुड़े रहते हैं। संस्था के अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में संवाद और समन्वय की सबसे अधिक आवश्यकता है। समाज में तेजी से बदलाव हो रहे हैं, परिवार व्यवस्था प्रभावित हो रही है, ऐसे में हमें सनातन मूल्यों को समझते हुए उन्हें व्यवहार में उतारना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज भी अनेक मंदिर परिवार आधारित सेवा परंपरा से सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं, जहां पीढ़ियों से पूजा-पद्धति, सेवा और प्रबंधन की परंपरा निभाई जा रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि खाटू श्याम मंदिर, श्रीनाथजी मंदिर, करणी माता मंदिर, मोती डूंगरी गणेश मंदिर, सालासर बालाजी, मेहंदीपुर बालाजी, एकलिंगजी मंदिर, चारभुजा जी मंदिर, रणछोड़की मंदिर, ब्रह्मा मंदिर, रानी सती मंदिर, जीण माता मंदिर, त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, गोविंद देव जी मंदिर, कैलादेवी मंदिर, जगदीश मंदिर, रामदेवरा मंदिर और नाकोडा जी मंदिर जैसे मंदिर आज भी इस परंपरा के सशक्त उदाहरण हैं। पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि ये मंदिर केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक मार्गदर्शन, संस्कार निर्माण और सेवा कार्यों के प्रमुख केंद्र भी हैं। आपदा के समय सहयोग, सामाजिक गतिविधियों और बड़े आयोजनों में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिरों में सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकारी सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम संयोजक पंडित राजकुमार चतुर्वेदी ने कहा कि *सनातन संवाद* को प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

पुरानी रंजिश के चलते गुरदासपुर में दो लोगों की गोली मारकर हत्या, एक घायल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के गुरदासपुर जिले के अंतर्गत आते बटाला में बीती रात पुरानी रंजिश के चलते हुई अंधाधुंध फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार बीती रात गांव भोमा के कश्मीर सिंह और जुगराज सिंह अपने साथी जुगराज सिंह के साथ सामान्य रूप से टहलने निकले थे। इसी दौरान 2 मोटरसाइकिल पर सवार होकर पहुंचे 6 अज्ञात हमलावरों ने अचानक उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी में कश्मीर सिंह (37) और जुगराज सिंह (35) की मौत हो गई। जुगराज सिंह (36) इस हमले में गंभीर घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि हमलावरों ने करीब पांच मिनट तक वहां रूककर गोलियां बरसाई। घटना की सूचना मिलते ही बटाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेहताब सिंह मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

नियुक्ति पत्र पाकर खिले चेहरे, कहा- भ्रष्टाचार की कमर तोड़ने वाले मुख्यमंत्री हैं योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार को उत्तर प्रदेश पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 936 प्रधान परिचालक एवं प्रधान परिचालक (यांत्रिक) अभ्यर्थियों के चेहरे नियुक्ति पत्र पाकर खुशी से खिल उठे। अधिसंख्य अभ्यर्थियों ने इसे अपने परिवार में पहली सरकारी नौकरी बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से आभार जताया। चयनित अभ्यर्थियों ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और भ्रष्टाचार मुक्त बनाया है, जिससे मेहनत करने वाले युवाओं को अवसर मिल रहा है। प्रयागराज की महिमा यादव ने कहा कि वर्ष 2006 के बाद इतने बड़े स्तर पर सीधी भर्ती होना युवाओं के लिए बड़ी उपलब्धि है। पूरी प्रक्रिया बेहद सुचिता और पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुई। सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। एटा के कुशाल चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री की मौजूदगी में नियुक्ति पत्र प्राप्त करना उनके लिए गर्व का क्षण है। योगी आदित्यनाथ ने जमीनी स्तर पर काम करते हुए गुंडों और माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है, जिससे प्रदेश

भयमुक्त बना है। उन्होंने मुख्यमंत्री को तेजतर्रार, तुरंत निर्णय लेने वाला और भ्रष्टाचार की कमर तोड़ने वाला नेता बताया। प्रयागराज के सौरभ मिश्रा ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में योगी सरकार ने माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया है। पुलिस बल की संख्या और संसाधनों में वृद्धि कर अपराधियों पर अंकुश लगाने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री की निर्भीक कार्यशैली युवाओं को प्रेरित करती है। प्रयागराज की अदिति राठौर ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रदेश में बड़ा बदलाव आया है। आज महिलाएं खुद को पहले से अधिक सुरक्षित महसूस करती हैं। मुख्यमंत्री के फास्ट रिएक्शन और तत्काल कार्रवाई की नीति से कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है। गोरखपुर की शालू गुप्ता और अयोध्या की सपना पांडेय ने भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। वहीं अभिषेक कुमार ने कहा कि योगी सरकार में पारदर्शी तरीके से नियुक्तियां हो रही हैं, इसी वजह से उन्हें उत्तर प्रदेश पुलिस दूरसंचार विभाग में सेवा का अवसर मिला है। अलीगढ़ के अरविंद ने कहा कि नियुक्ति पत्र पाकर पूरा परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि मेहनत करते रहें, सरकार लगातार रोजगार के अवसर दे रही है। झांसी के विशाल कुमार शर्मा ने कहा कि नियुक्ति पत्र मिलना जीवन का यादगार दिन है और अब सभी प्रशिक्षण लेकर सेवा के लिए तैयार होंगे। वहीं हेवल कुमार रत्नागर ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष रही। एटा के रामहरि ने कहा कि रेडियो एवं दूरसंचार विभाग में चयन उनके परिवार के लिए खुशी का बड़ा अवसर है। उन्होंने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि योगी सरकार में प्रतिभा और मेहनत को सम्मान मिल रहा है।

बिहटा में एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र के उद्घाटन से *मेक इन बिहार* को मिलेगी नई रफ्तार : मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। बिहार के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने की पहल के तहत मंगलवार को पटना के बिहटा में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संयुक्त रूप से केंद्र का शुभारंभ किया। यह केंद्र राज्य में तकनीकी प्रशिक्षण, रोजगार सृजन और उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि आज का दिन बिहार के औद्योगिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि बिहटा में स्थापित यह प्रौद्योगिकी केंद्र और इसके विस्तार केंद्र आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं और उद्यमियों को सशक्त बनाएंगे। इससे उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने इसे *आत्मनिर्भर भारत* के विजन को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में एक ठोस पहल बताया। मुख्यमंत्री

सम्राट चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि यह टेक्नोलॉजी सेंटर *मेक इन बिहार* के विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार तेजी से औद्योगिक प्रगति की ओर अग्रसर है और यह केंद्र उस परिवर्तन का सशक्त प्रतीक बनेगा। राज्य सरकार का लक्ष्य युवाओं को बेहतर कौशल, आधुनिक संसाधन और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे केवल रोजगार पाने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजक भी बन सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केंद्र निवेश, नवाचार और उद्यमिता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। बिहटा में स्थित यह प्रौद्योगिकी केंद्र अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है, जो इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्रों को मजबूती प्रदान करेगा। साथ ही बिहार की पारंपरिक अर्थव्यवस्था को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इससे बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के लाभार्थियों को विभिन्न सहायता प्रदान की गई। पीएम विश्वकर्मा योजना और ग्रामोद्योग विकास योजना के लाभार्थियों को टूलकिट वितरित किए गए, जबकि पीएमईजीपी योजना के लाभार्थियों को चेक सौंपे गए। इसके अलावा एससी/एसटी हब योजना के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए। इन योजनाओं के माध्यम से जमीनी स्तर पर स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। उद्योग विभाग, बिहार सरकार लगातार इस प्रकार की पहलों के माध्यम से राज्य में औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, निवेश आकर्षित करने और व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

शंभू रेलवे ट्रैक बम धमाके में चार गिरफ्तार, हथियार व गोला बारूद बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के शंभू में बीती रात रेलवे ट्रैक पर हुए बम धमाका मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इसके साथ ही सीमा पार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के इशारे पर पंजाब में संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया है। डीआईजी ने बताया कि मानसा निवासी परदीप सिंह खालसा, जिला मानसा के बप्पियाना निवासी कुलविंदर सिंह बग्गा, पंजवड़ जिला तरनतारन निवासी सतनाम सिंह सत्ता तथा जिला तरनतारन निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी को गिरफ्तार किया गया है। इनसे प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि 27 अप्रैल की रात करीब 8-55 बजे इनके साथियों ने शंभू-अंबाला रेलवे मार्ग पर बम विस्फोट कर रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाया। इस संबंध में थाना जीआरपी पटियाला में मामला दर्ज किया गया था। पटियाला रेंज के डीआईजी कुलदीप सिंह चाहल और जिला पुलिस प्रमुख वरुण शर्मा ने मंगलवार को पटियाला में पत्रकारों को बताया कि शंभू-अंबाला रेलवे मार्ग पर हुए बम धमाके की गुत्थी सुलझाने के लिए एसपी (एच) वैभव चौधरी की निगरानी में डीएसपी सुखअमृत सिंह रंधावा, सीआईए पटियाला के इंचार्ज इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह बाजवा, सीआईए समाना के इंचार्ज इंस्पेक्टर अंकुरदीप सिंह, थाना कोतवाली पटियाला के एसएचओ इंस्पेक्टर जसप्रीत सिंह काहलो तथा स्पेशल सेल राजपुरा के इंचार्ज एसआई मनप्रीत सिंह की टीमों का गठन किया गया। डीआईजी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से भारी मात्रा में युद्धक हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है, जो उन्होंने सीमा पार बैठे अपने आतंकी हैंडलरों की मदद से हासिल किया था। बरामद सामग्री में एक बम, 2 पिस्तौल सहित जिंदा कारतूस, आईईडी बनाने में प्रयुक्त सामग्री तथा मलेशिया में बैठे हैंडलरों से संपर्क के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला लैपटॉप और अन्य तकनीकी उपकरण शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपितों का आपराधिक रिकॉर्ड भी है और उनके खिलाफ विभिन्न मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। पंजाब में विधायकों के टूटने का खतरा, पार्टी प्रभारी मनीष सिसोदिया ने जालंधर में बुलाई बैठकचंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में सात राज्य सभा सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद आम आदमी पार्टी पर सियासी संकट गंभीर हो गया है। विधायकों में टूट की अटकलों के बीच पार्टी प्रभारी एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने 29 अप्रैल को जालंधर में सभी विधायकों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में ब्लॉक ऑब्जर्वर्स और फ्रंटल संगठनों के प्रमुखों को भी बुलाया गया है। बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल रहेंगे। बैठक में 7 सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद विधायकों का मन टटोला जाएगा। आम आदमी पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल होने के दौरान राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के रीबियों के जरिए दावा किया गया कि पंजाब के मौजूदा 94 विधायकों में से 60+ विधायक राघव चड्ढा के संपर्क में हैं।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक ब्रांड के रूप में उभरा मखाना

भागलपुर (हिंस)। बिहार का मखाना उत्पाद राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक ब्रांड के रूप में उभरा है। इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार ने मिलकर बिहार के मखाना को अंतर्राष्ट्रीय पटल पर महत्ता दिलाई है। सरकारी योजना और बिहार कृषि विश्वविद्यालय के प्रयास से सिल्क नगरी भागलपुर में भी मखाना की खेती संभव हो पाई है। उल्लेखनीय है कि अबतक मखाना की खेती सीमांचल इलाकों में सिमटा हुआ था। लेकिन भागलपुर के सबौर स्थित बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के पहल पर अब भागलपुर के किसानों ने मखाने की खेती शुरू कर दी है। सबसे बड़ी बात है की बीएयू के प्रयोग में मखाने की खेती के लिए तालाब नहीं बल्कि खेतियर जमीन जिसमें की सिर्फ तीन से चार फिट पानी की उपलब्धता हो उसमें मखाना आसानी से उपजाया जा सकता है। इस बाबत बीएयू के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि किसानों को मखाने से जायदा मुनाफा हो सके इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है। लेकिन किसानों को इसकी खेती करने में आसानी हो सके इस दिशा में बीएयू के वैज्ञानिक ने नई तकनीक के साथ उत्तम बीज की खोज की है। इसके लिए वैज्ञानिकों को भारत सरकार से पेटेंट भी मिला है। वैज्ञानिकों ने यह खोज निकाला है कि मखाने की खेती के लिए अच्छे किस्म के बीज में कौन से जिन उपलब्ध हैं। फिलहाल कृषि विश्वविद्यालय के परिसर के तालाब में वैज्ञानिकों की देखरेख में मखाने पर अलग-अलग तरह के प्रयोग किया जा रहे हैं। भागलपुर और आसपास के जिलों में मखाने की खेती ज्यादा से ज्यादा किसानों को तक पहुंचे इसके लिए कृषि विश्वविद्यालय की ओर से लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। हालांकि भागलपुर में अब किसान मखाने की खेती करने लगे हैं। इसके लिए वैज्ञानिक किसानों की मदद भी कर रहे हैं।

देसी ठंडक की वापसी : बाजारों में मटकों की मांग ने पकड़ी रफ्तार

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच एक बार फिर लोगों का रुझान पारंपरिक मिट्टी के घड़ों की ओर बढ़ने लगा है। फ्रिज और आरओ के दौर में भी मटकों का पानी अपनी प्राकृतिक ठंडक और स्वाद के कारण लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। राजधानी जयपुर सहित प्रदेशभर में इन दिनों मिट्टी के घड़ों की बिक्री तेज हो गई है। बाजार में पारंपरिक घड़ों के साथ नल लगे, रंगीन और सजावटी डिजाइन वाले मटके भी उपलब्ध हैं, जो रसोई से लेकर ड्राइंग रूम तक में उपयोग किए जा रहे हैं। विक्रेताओं के अनुसार शहर में प्रतिदिन 1200 से 1500 मटके बिक रहे हैं। इस बार मटकों की कीमत करीब 200 रुपए तक पहुंच गई है। व्यवसायी रमेश प्रजापत ने बताया कि अब बाजार में स्थानीय के साथ-साथ बाहर से आने वाले, विशेषकर बंगाल के पेंटेड मटकों की भी मांग है, जिनमें पानी का रिसाव नहीं होता और इन्हें घर के भीतर रखने के लिए पसंद किया जाता है। वहीं पारंपरिक मटकों में हल्का रिसाव होने से वे ठंडे रहते हैं। मटका विक्रेता सुरेश प्रजापत के अनुसार इन मटकों के निर्माण में विशेष मिट्टी और बजरी का उपयोग किया जाता है, जिससे मटका नम बना रहता है और हवा लगने पर पानी स्वाभाविक रूप से ठंडा होता है। राजस्थान, गुजरात

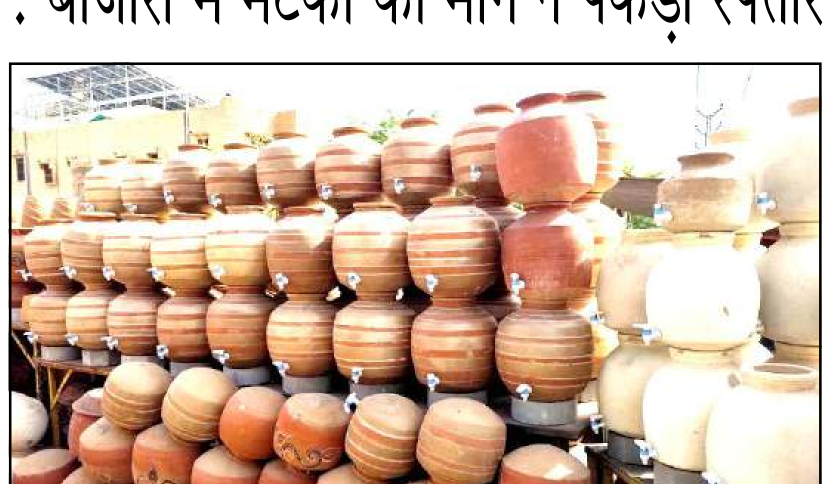

और मध्य प्रदेश तक इन मटकों की अच्छी मांग है। चिकित्सक महेश सिंह का कहना है कि बहुत ठंडा पानी शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है, जबकि घड़े का पानी शरीर के तापमान के अनुरूप होता है और पाचन में भी सहायक होता है। मटके का पानी सामान्यत: 13-14 डिग्री तक ठंडा रहता है, जो लू और एसिडिटी से बचाव में मददगार है। मटका खरीदने आई वर्षा ने बताया कि गर्मियों में फ्रिज के बजाय मटके का पानी ज्यादा सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक होता है, इसलिए हर साल मटका खरीदा जाता है। बिना बिजली के ठंडा पानी उपलब्ध कराने वाले ये मिट्टी के घड़े न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि कुम्हारों के पारंपरिक व्यवसाय को भी नई ऊर्जा दे रहे हैं।

सीवान में फिर टावर पर चढ़ी युवती, चैनपुर बाजार में घंटों चला हाई-वोल्टेज ड्रामा

सीवान (हिंस)। सीवान जिले में एक बार फिर हैरान करने वाली घटना सामने आई है। सिसवन प्रखंड के चैनपुर थाना क्षेत्र स्थित चैनपुर बाजार में मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवती अचानक मोबाइल टावर पर चढ़ गई। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और इलाके में सनसनी फैल गई। करीब एक घंटे से अधिक समय तक युवती टावर पर डटी रही। पुलिस और स्थानीय लोग उसे नीचे उतारने की लगातार कोशिश करते रहे, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी रही। हालात को देखते हुए पुलिस ने लाउडस्पीकर का सहारा लिया और उसे समझाने का प्रयास जारी रखा। हालांकि युवती के टावर पर चढ़ने की असली वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है। कुछ लोग इसे प्रेम-प्रसंग से जोड़कर देख रहे हैं, लेकिन पुलिस ने ऐसी किसी बात की पुष्टि नहीं की है।

सुजलॉन एनर्जी के शेयर में 52-वीक लो से 41फीसदी उछल, बेहतरीन मासिक प्रदर्शन

ब्रोकरेज ने निवेशकों को दी खरीदने की सलाह, टारगेट प्राइस 74 रुपए रखा

नई दिल्ली

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की दिग्गज कंपनी सुजलान एनर्जी के शेयरों ने एक बार फिर दलाल स्ट्रीट पर हलचल मचा दी है। सुजलान एनर्जी के शेयरों ने मार्च में 38.17 रुपए का 52 हफ्ते का निचला स्तर छुआ था, लेकिन अब यह स्टाक अपने 52-वीक लो से करीब 41फीसदी उछल चुका है। पिछले एक महीने में ही इस एनर्जी शेयर ने 31फीसदी की शानदार छलांग लगाई है, जो पिछले दो सालों में इसका बेहतरीन मासिक प्रदर्शन है।

हालांकि, शेयर अपने 74.30 फीसदी के उच्च स्तर से अभी भी करीब 27फीसदी नीचे ट्रेड कर रहा है। पिछले पांच सालों में इस शेयर ने 1100फीसदी रिटर्न दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ हफ्तों से इस स्टाक में खरीदारी का जोरदार उत्साह देखा जा रहा है। जानकारों का मानना है कि कंपनी जिस तरह से अपने पुराने कंसोलिडेशन जोन से बाहर निकली है, वह आने वाले समय में एक बड़ी रैली का संकेत है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक स्टाक लंबे कंसोलिडेशन के बाद बाहर निकला है। उनका कहना है कि सुजलान शेयर 80 रुपए तक जा सकता है। उन्होंने निवेशकों को 40 रुपए का स्टाप लास रखने की भी सलाह दी है।

ब्रोकरेज हाउस जेएफ फाइनेंशियल्स सुजलान एनर्जी शेयर को बाय रेटिंग देते हुए इसका टारगेट प्राइस 64 रुपए तय किया है।

ब्रोकरेज का अनुमान है कि कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 51फीसदी की दर से बढ़ सकता है। सेंट्रम ब्रोकिंग ने भी इसे खरीदने की सलाह दी है और इसका टारगेट प्राइस 74 रुपए रखा है। ब्रोकरेज काक कहना है कि रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में बढ़ते मौके और कंपनी का बेहतर वैल्यूएशन इसे लंबी अवधि के लिए आकर्षक बनाता है।

सुजलान की तेजी के पीछे केवल चार्ट ही नहीं, बल्कि कंपनी का सुधरता बिजनेस माडल भी है। ब्रोकरेज रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2026 की चौथी तिमाही तक सुजलान की डिलीवरी 874 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 573 मेगावाट के मुकाबले काफी ज्यादा है। मुख्य रूप से विंड टर्बाइन बनाने वाली यह कंपनी अब सोलर एनर्जी साल्यूशंस और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में भी अपनी पैठ बढ़ा रही है।

न्यूज ब्रीफ

क्या है कारों के बेहतर माइलेज और परफार्मेंस का रहस्य

नई दिल्ली। भारत में बढ़ती पेट्रोल-डीजल की कीमतें और ड्राइविंग की अलग-अलग जरूरतें कार खरीदने के फैसले को जटिल बना देती हैं। ज्यादातर ग्राहक कार के बेहतर माइलेज और परफार्मेंस को प्राथमिकता देते हैं। नए इंजन को पारंपरिक, सरल और भरोसेमंद माना जाता है, जबकि टर्बो इंजन छोटे आकार के बावजूद अधिक पावर और परफार्मेंस का वादा करता है। दोनों के अपने फायदे और नुकसान हैं, और यह समझना महत्वपूर्ण है कि कौन सा इंजन आपकी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए सबसे उपयुक्त रहेगा। एनए इंजन में हवा प्राकृतिक रूप से इनटेक मैनिफोल्ड के जरिए अंदर आती है, बिना किसी अतिरिक्त पंप या टरबाइन के। इससे इंजन का रिस्पान्स तुरंत मिलता है और यह हर मौसम में आसानी से स्टार्ट होता है। मारुति स्विफ्ट या हुंडई ग्रैंड आई10 के 1.2 लीटर एनए पेट्रोल इंजन शहर की रफ्तार के लिए बेहद सहज माने जाते हैं। दूसरी ओर, टर्बोचार्ज्ड इंजन एग्जास्ट गैसों से चलने वाली टरबाइन का उपयोग करता है, जो कंप्रेसर को घुमाकर इंजन में अधिक हवा और ईंधन धकेलता है। इससे 1.0 या 1.2 लीटर का छोटा इंजन भी 100-120 बीएचपी की पावर और भरपूर टार्क जनरेट कर सकता है, जो टाटा नेक्सन, किआ सोनेट या महिंद्रा एक्सयूवी300 जैसे वाहनों को हाईवे पर शानदार ओवरटेकिंग क्षमता देता है। रखरखाव और लागत के मामले में, एनए इंजन सस्ता और सरल होता है, जबकि टर्बो में टर्बोचार्जर और इंटरकूलर जैसे अतिरिक्त पुर्जे होने के कारण सर्विसिंग महंगी पड़ती है। यदि आपकी ड्राइविंग मुख्य रूप से शहर में और कम है, तो एनए इंजन बेहतर माइलेज और कम खर्च वाला विकल्प हो सकता है, लेकिन लंबी यात्राओं और अधिक पावर के लिए टर्बो इंजन एक बेहतर और अधिक मजेदार अनुभव प्रदान करेगा। हालांकि, इसमें टर्बो लैग की समस्या हो सकती है, जहाँ कम आरपीएम पर पावर अचानक आती है, जिससे शहर के ट्रैफिक में थोड़ी असुविधा हो सकती है।

मारुति अर्टिगा 7-सीटर सेगमेंट में पहले नंबर पर

नई दिल्ली। पिछले वित्तीय वर्ष (एफवाई 2025-26) के बिक्री आंकड़ों में मारुति अर्टिगा ने 7-सीटर सेगमेंट में पहले नंबर पर अपना दबदबा बनाए रखा है। इस अवधि में कुल 9,34,365 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 7.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। भारतीय आटो बाजार में 7-सीटर कारों की मांग लगातार बढ़ रही है, और बड़ी फैमिली के बीच ये गाड़ियां खासी पसंद की जाती हैं। जहां महिंद्रा स्कार्पियो और टोयोटा इनोवा जैसी कारों की बिक्री में वृद्धि हुई, वहीं एक्सयूवी 700 और सफारी की मांग में थोड़ी गिरावट देखी गई है। मारुति अर्टिगा को एफवाई 2025-26 में कुल 1,98,876 नए ग्राहक मिले, जो सालाना स्तर पर 4.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 8.80 लाख रुपये से शुरू होकर 12.94 लाख रुपये तक जाती है। आकर्षक और आधुनिक लुक के साथ, इसमें बोल्ड ग्रिल और एलईडी टेललैंप्स मिलते हैं, जो इसे फैमिली यूज के लिए परफेक्ट बनाते हैं।

प्रसिद्ध रेनो ट्राइबर जल्द आ रही नए अवतार में

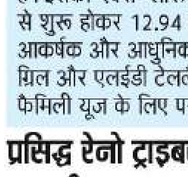

नई दिल्ली। लोकप्रिय कार रेनो ट्राइबर जल्द ही एक नए अवतार में आने वाली है। इस लोकप्रिय माडल को कंपनी पहले से ज्यादा ताकत, बेहतर तकनीक और कम खर्च में चलने की सुविधा के साथ पेश करने की तैयारी कर रही है। आने वाले समय में यह गाड़ी न केवल अधिक शक्तिशाली होगी, बल्कि इसमें उन्नत गैस आधारित ईंधन (सीएनजी) का विकल्प भी मिलेगा, जिसका उद्देश्य ग्राहकों को प्रदर्शन और बचत दोनों में संतुलन प्रदान करना है। वर्तमान में ट्राइबर में एक लीटर क्षमता वाला साधारण पेट्रोल इंजन मिलता है, जिसे लेकर कई उपयोगकर्ताओं ने ताकत की कमी महसूस की है। इस कमी को दूर करने के लिए कंपनी अब इसमें नया टर्बो युक्त पेट्रोल इंजन देने की तैयारी कर रही है। यह नया इंजन लगभग 99 अश्वशक्ति की ताकत और 160 न्यूटन मीटर का घुमाव बल देने में सक्षम हो सकता है, जिससे तेज रफ्तार पर ड्राइविंग और ओवरटेकिंग आसान हो जाएगी। इसके साथ हाथ से चलने वाला और स्वचालित गियर बदलने वाला विकल्प मिलने की संभावना है। ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच, कंपनी इस गाड़ी में कारखाने से ही गैस किट लगाने की योजना बना रही है। सबसे खास बात यह होगी कि इसमें दो गैस सिलेंडर का संयोजन दिया जा सकता है, जो गाड़ी के नीचे की ओर फिट होगा।

13 करोड़ के पार पहुंची एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या, 40 प्रतिशत इन्वेस्टर 30 साल से कम उम्र के

एनएसई के हर चार इन्वेस्टर में से एक महिला

नई दिल्ली

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) ने रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या के मामले में नया मुकाम हासिल कर लिया है। एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या 13 करोड़ के पार पहुंच गई है। एनएसई ने सोमवार यानी 27 अप्रैल के कारोबारी सत्र के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इसके पहले सितंबर 2025 में एनएसई पर रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या 12 करोड़ के स्तर पर पहुंची थी। इस तरह सिर्फ सात महीने की अवधि में ही नेशनल स्टाक एक्सचेंज से एक करोड़ नए रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स जुड़ गए।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार एनएसई से जुड़े रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स में महिलाओं की संख्या में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। एनएसई के हर चार रजिस्टर्ड इन्वेस्टर में एक महिला है। इसी तरह नेशनल स्टाक एक्सचेंज के इन्वेस्टर्स की औसत आयु भी अब घट कर 33 साल हो गई है। इसके पहले साल 2021 में एनएसई के निवेशकों की औसत आयु 36 साल थी। स्टाक एक्सचेंज के रिकार्ड के मुताबिक इसके निवेशकों में लगभग 40 प्रतिशत संख्या 30 साल से कम उम्र के निवेशकों की है।

आपको बता दें कि पिछले कुछ सालों में स्टाक मार्केट के इन्वेस्टर्स की संख्या में बढ़ोतरी की रफ्तार काफी तेज हो गई है। नेशनल स्टाक एक्सचेंज के इन्वेस्टर्स की संख्या एक करोड़ के स्तर तक पहुंचने में 14 साल की अवधि लगी थी। इसके बाद इन्वेस्टर्स की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होने लगी। एक करोड़ इन्वेस्टर की संख्या पूरी करने के बाद अगले 11 साल में एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या चार करोड़ तक पहुंच गई। इसके बाद पिछले कुछ साल से स्टाक एक्सचेंज से औसतन छह से आठ महीने की अवधि में ही एक करोड़ नए इन्वेस्टर जुड़ रहे हैं।

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26 तक की पांच साल की अवधि में रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या 26.4 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी। इससे पहले के पांच साल की अवधि के दौरान ये दर 15.2 प्रतिशत थी। इसी अवधि के में नेशनल स्टाक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 18 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ कर 460.6 लाख करोड़ रुपये हो गया। नेशनल स्टाक एक्सचेंज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार देश के ज्यादातर हिस्सों के लोग रजिस्टर्ड इन्वेस्टर के रूप में एनएसई से जुड़ चुके हैं। फिलहाल देश के 99.85 प्रतिशत पिन कोड (पोस्टल एरिया) में एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर मौजूद हैं। मतलब देश के हर जिले में तो में एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स हैं ही, देश के ज्यादातर प्रखंडों तक एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स पहुंच गए हैं। अगर एनएसई के संख्यात्मक तौर पर राज्यवार सबसे अधिक इन्वेस्टर की बात करें, तो महाराष्ट्र लगभग दो करोड़ रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स के साथ देश में सबसे अधिक इन्वेस्टर वाला राज्य है। रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या के मामले में उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर हैं, जहां रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या लगभग 1.5 करोड़ है। वहीं गुजरात लगभग 1.1 करोड़ रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

महिंद्रा एक्सयूवी 400 पर मिल रही 4 लाख तक की भारी छूट

नई दिल्ली

स्वदेशी कार निर्माता कंपनी महिंद्रा अपने ईवी पोर्टफोलियो को मजबूत कर रही है। वित्त वर्ष 2026-27 की अच्छी शुरुआत के लिए महिंद्रा ने अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी, महिंद्रा एक्सयूवी 400 पर 4 लाख रुपये तक की भारी छूट की घोषणा की है। यह एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक कार अप्रैल 2026 में खरीदने पर इस शानदार आफर का लाभ देगी। यह आफर वित्त वर्ष और इन्वेंटरी क्लीयरेंस के चलते सीमित समय के लिए उपलब्ध है, इसलिए इच्छुक ग्राहक नजदीकी डीलरशिप पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

एक्सयूवी 400 ईएल प्रो का डिज़ाइन बोल्ड और आधुनिक है, जो एक्सयूवी300 का एक बड़ा इलेक्ट्रिक अवतार है। 4200 एमएम की लंबाई और 1821 एमएम की चौड़ाई के साथ, यह काम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराती है। इसके केबिन को काफी अपडेट किया गया है, जिसमें 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.25 इंच का डिजिटल क्लस्टर मिलता है। आरामदायक यात्रा के लिए इसमें लेदर सीट, डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जर और सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। एक्सयूवी 400 ईएल प्रो दो बैटरी विकल्पों (34.5 किलोवाट और 39.4 किलोवाट) के साथ आती है, जो क्रमश: 375 किमी और 456 किमी तक की एआरएआई रेंज प्रदान करती हैं। इसका 147.5 बीएचपी का मोटर स्मूथ और रिस्पान्सिव परफार्मेंस देता है। सुरक्षा के मोर्चे पर, इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी), टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), सभी डिस्क ब्रेक्स और एबीएस के साथ ईबीडी जैसे उन्नत फीचर्स शामिल हैं, जो इसे टाटा नेक्सन ईवी जैसी प्रतिस्पर्धी कारों के बराबर ला खड़ा करते हैं।

आठवां वेतन आयोग देगा भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बूस्ट

नई दिल्ली। नवंबर 2025 में आठवें वेतन आयोग के गठन के अनुमानों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव के संकेत दिए है। इसका कुल वित्तीय बोझ केंद्रीय कर्मचारियों पर 3.7 से 3.9 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2016 के सातवें वेतन आयोग से करीब चार गुना अधिक होगा। हालांकि, इसकी असली कहानी केवल इस विशाल खर्च में नहीं, बल्कि भारतीय परिवारों के खर्च और बचत व्यवहार में आने वाले क्रांतिकारी परिवर्तन में छुपी है। इतिहास के मुताबिक भारत में प्रत्येक वेतन आयोग ने एक नई खपत लहर को जन्म दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1997 में पांचवें वेतन आयोग के बाद, मध्य वर्ग के पास अतिरिक्त पैसा आया और उन्होंने स्कूटर छोड़कर सीधे बाइक का रुख किया, जिससे हीरो होंडा, बजाज आटो और टीवीएस जैसी कंपनियों को बड़ा मौका मिला। इसके बाद, 2008 में छठे वेतन आयोग के दौरान, जब दुनिया आर्थिक संकट से जूझ रही थी, तब भारत में सरकारी कर्मचारियों ने कार और घर खरीदे। मारुति सुजुकी की बिक्री में सरकारी कर्मचारियों की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत से बढ़कर 17 प्रतिशत तक पहुंच गई, और एचडीएफसी जैसे आवास ऋण प्रदाताओं का तेजी से विस्तार हुआ। वहीं 2016 के सातवें वेतन आयोग ने हालांकि खपत से अधिक निवेश की आदत को प्रोत्साहित किया। इस दौरान एसआईपी निवेश 3,122 करोड़ से बढ़कर 31,000 करोड़ हो गया, जो यह दिखाता है कि भारतीय परिवारों ने सोने और संपत्ति से हटकर शेयर बाजार में निवेश करना शुरु किया है।

सर्राफा बाजार में सोने की घटी चमक, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है। सोना 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.29 प्रतिशत गिर कर 4,669.61 डालर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75.91 डालर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है।

घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना 1,53,700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,53,850 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,53,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार उछाल, 110 डालर के करीब पहुंचा ब्रेंट क्रूड

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए ईरान द्वारा नए प्रस्ताव दिए जाने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड आयल कच्चे तेल की कीमत में कोई राहत के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। ब्रेंट क्रूड 110 डालर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 97 डालर प्रति बैरल के स्तर के पार जा पहुंचा। हालांकि बाद में कच्चे तेल की कीमत में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई।

ब्रेंट क्रूड तेजी दिखाते हुए 108 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही यह उछल कर 109.46 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। कुछ देर बाद इसकी चाल में गिरावट भी आई, जिसके कारण ब्रेंट लुढ़क कर 107.98 तक भी गिर गया। इसके बाद इसके भाव में दोबारा तेजी का रुख बनने लगा। भारतीय समय के अनुसार सुबह नौ बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 109.20 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 96 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 96.62 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ओपनिंग के तुरंत बाद ये गिर कर थोड़ी देर के लिए 96.24 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कुछ देर में ही यह उछल कर 97.55 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार सुबह नौ बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.95 प्रतिशत की उछाल के साथ 97.29 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली दूसरे दौर की शांति वार्ता के टल जाने और होर्मुज स्ट्रेट के मसले पर दोनों देशों के आमने सामने आ जाने की वजह से इस प्रमुख समुद्री रास्ते के जरिये होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई अभी भी लगभग ठप पड़ी हुई है। ईरान ने हालांकि शांति वार्ता को दोबारा शुरू करने के लिए नया प्रस्ताव दिया है और अमेरिका ने भी उस प्रस्ताव पर विचार करने की बात कही है। इसके बावजूद कच्चे तेल की कीमत में कोई गिरावट का रुख बनता हुआ नजर नहीं आ रहा है। आपको बता दें कि फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में शुरू हुई इस जंग ने दुनिया के पेट्रोलियम बेस्ड एनर्जी मार्केट को हिला कर रख दिया है। इस जंग के कारण होर्मुज स्ट्रेट के लगभग बंद हो जाने से फारस की खाड़ी से होने वाली आयल और गैस की सप्लाई में जबरदस्त गिरावट आई है। अमेरीका ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए यहां नाकेबंदी कर रखी है। दूसरी ओर, ईरान अपनी ओर से होर्मुज को इंटरनेशनल ट्रैफिक के लिए बंद रखने की कोशिश में जुटा हुआ है। पूरी दुनिया में होने वाली कच्चे तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा हार्मुज स्ट्रेट के जरिये होता है, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण इसके लगभग ठप पड़ जाने से दुनिया भर में उथल-पुथल मच गई है और कच्चे तेल की कीमत में जबरदस्त उछाल आ गया। खासकर, डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 70 प्रतिशत तक बढ़ गई। फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर होने के बावजूद जानकारों का मानना है कि आयल इंफ्रास्ट्रक्चर का पूरी तरह से काम शुरू कर पाना मुश्किल है। जंग की वजह आयल इंफ्रास्ट्रक्चर का फिजिकल सिस्टम जल्दी ठीक नहीं होने वाला है। खासकर, जंग के कारण बंद हो गए तेल कुओं को फिर से शुरू करने, क्रू और जहाजों को दूसरी जगह भेजने और रिफाइनरी इन्वेंट्री को फिर से बनाने में काफी लंबा समय लगेगा।

उबर कप फाइनल्स : भारत को चीन से 0–5 की करारी हार, टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली

डेनमार्क के हार्सेंस में खेले जा रहे उबर कप फाइनल्स में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम का अभियान चीन के खिलाफ 0–5 की हार के साथ समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मजबूत स्थिति के बावजूद मैच गंवा दिया, जिससे भारत के लिए वापसी के रास्ते बंद हो गए।

भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मेजबान डेनमार्क से 2–3 की हार के साथ की थी, लेकिन इसके बाद यूक्रेन को 4–1 से हराकर उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, 16 बार की चैंपियन चीन के खिलाफ टीम को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।

सिंधु की हार से टूटा भारत का मनोबल – पहले एकल मुकाबले में पीवी सिंधु ने दुनिया की नंबर–2 खिलाड़ी वांग झी यी के खिलाफ शानदार शुरुआत की। निर्णायक गेम में 18–12 की बढ़त लेने के बावजूद सिंधु मैच को अपने नाम नहीं कर सकीं और 16–21, 21–19, 19–21 से हार गईं। इस हार से चीन ने 1–0 की बढ़त बना ली।

युगल और अन्य एकल मुकाबलों में भी निराशा – पहले युगल मुकाबले में प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी को विश्व नंबर–1 लियू शेंग शू और तान निंग के खिलाफ 11–21, 8–21 से हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद दूसरे एकल में इशारानी बरुआह ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई को कड़ी टक्कर दी, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर चूक के कारण 22–20, 21–13 से हार गईं, जिससे चीन ने 3–0 की अजेय बढ़त बना ली।

दूसरे युगल में ट्रीसा जाली और काविप्रिया सेल्वम ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन लुओ शू मिन और झांग शू शियान की जोड़ी के खिलाफ 10–21, 21–12, 19–21 से हार गईं।

तीसरे एकल में देविका सिहाग ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन लय बरकरार नहीं रख सकीं और शू वेन जिंग के खिलाफ 21–19, 17–21, 10–21 से हार गईं।

थामस कप में पुरुष टीम से उम्मीदें – अब सभी की नजरें भारतीय पुरुष टीम पर होंगी, जो बुधवार को थामस कप में चीन से भिड़ेगी। भारत, जो 2022 का चैंपियन है, ने ग्रुप ए मुकाबले में आस्ट्रेलिया को 5–0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है।

भारत और चीन दोनों ग्रुप में शीर्ष स्थान पर हैं और बुधवार को होने वाला मुकाबला ग्रुप विजेता का फैसला करेगा।

न्यूज ब्रीफ

ऋषभ की जगह पर मार्करम को कप्तानी दी जाये : वसीम जाफर

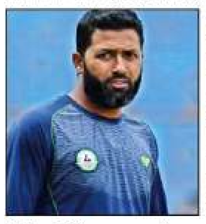

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स के खराब प्रदर्शन को देखते हुए अब कप्तानी में बदलाव का समय आ गया है। जाफर ने कहा कि वैसे भी कप्तान ऋषभ पंत ब्रेक मांग रहे हैं। ऐसे में उनकी जगह पर एडेन मार्करम को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंप देनी चाहिये। जाफर के अनुसार लगातार हार के बाद अब सुपर जायंट्स ऐसे मोड़ पर आ गय है जहां एक और हार से वह बाहर हो जाएगी। अभी टीम अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। उसकी हार का कारण रणनीति में कमजोरी भी रही है। ऋषभ वैसी कप्तानी नहीं कर पाये हैं जैसी उनसे अपेक्षा की जाती है। उनकी कप्तानी में टीम लगातार असफल हो रही है। निराशाजनक रही है। इसका कारण हर मैच में योजनाएं बदलती दिखती हैं, खिलाड़ियों के भूमिका में निरंतरता की कमी रही है। दबाव आते ही टीम बिखरने लगती है। टीम डगआउट में भी संशय में नजर आती है। ऐसे में कप्तानी में बदलाव के अलावा कोई चारा नहीं दिखता। जाफर का मानना है कि मार्करम बेहद शांत और रणनीतिक कप्तान के रूप में जाने जाते हैं, ऐसे उन्हें जिम्मेदारी देना ठीक रहेगा। इससे ऋषभ कप्तानी के दबाव से मुक्त होकर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर सकें। जाफर के अनुसार कप्तानी का के बोझ से उनका स्वाभाविक खेल प्रभावित हो रहा है। वह पिछले सत्र में कप्तान के तौर पर बल्लेबाजी करते हुए केवल 151 रन बना पाये थे। वहीं इस साल भी उनकी बल्लेबाजी असफल् रही है। 27 करोड़ रुपये की कीमत वाले खिलाड़ी से काफी अधिक उम्मीदें की जाती है। ऐसे में उन्हें कप्तानी के दबाव से मुक्त करके केवल एक खिलाड़ी के रूप में रखा जाये जिससे वह अपने आक्रामक अंदाज में पूरी क्षमता से खेल सकें। उनकी कप्तानी में रणनीतिक गलती कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में देखने को तब सामने आई जब अंतिम ओवरों में रिंकू सिंह के लिए नये गेंदबाज दिग्वेश राठी को लगाया गया।

अंगुली के स्पिन कौशल को बढ़ा रहे क्रुणाल पांड्या : कार्तिक

नई दिल्ली। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच और मेंटर दिनेश कार्तिक ने आलराउंडर क्रुणाल पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार वह अंगुली के स्पिन कौशल को आगे बढ़ा रहे है। उसके लिए उन्हें श्रेय मिलना ही चाहिये। इस प्रकार के गेंदबाजी कौशल को उनके जैसे गेंदबाजों के कारण ही पहचान मिल रही है। कार्तिक ने कहा कि बल्लेबाजों के मन में संदेह पैदा करने और लगातार बेहतर परिणाम देने की क्रुणाल की जबरदस्त क्षमता यह साबित करती है कि एक आलराउंडर के तौर पर उनमें कितना सुधार आया है। उन्होंने यह भी कहा कि क्रुणाल का यह प्रभाव दिखाता है कि आईपीएल में किस प्रकार से खेल को नये आयाम मिल रहे हैं और उसमें बदला आ रहा है। क्रुणाल की सराहना करते हुए कार्तिक ने कहा, क्रुणाल एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें यह खेल लंबे समय तक याद रखेगा। वह जिस प्रकार से अंगुली के स्पिनरों के लिए बनी तय सीमाओं को लगातार चुनौती दे रहे हैं और ऐसी गेंदें फेंक रहे हैं जिनकी कुछ साल पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी , उसके लिए उनकी तारीफ होनी ही चाहिये।

आईपीएल इतिहास में विराट कोहली का बड़ा रिकार्ड, 9000 रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाजी सुपरस्टार विराट कोहली ने सोमवार, 27 अप्रैल को आईपीएल इतिहास में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 9000 रन पूरे कर लिए। वह इंडियन प्रीमियर लीग में यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए अपना 275वां आईपीएल मैच खेल रहे कोहली को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 9000 रन पूरे करने के लिए 11 रनों की जरूरत थी। उन्होंने आरसीबी की पारी के छठे ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन लेकर यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया। विराट कोहली ने 9000 रन तक पहुंचने के लिए 6732 गेंदों का सामना किया। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में कोहली शीर्ष पर हैं। इस सूची में उनके बाद रोहित शर्मा, शिखर धवन, डेविड वार्नर और केएल राहुल का नाम शामिल है। रोहित शर्मा ने 276 मैचों में 7183 रन बनाए हैं, जबकि शिखर धवन ने 222 मैचों में 6769 रन बनाकर अपना आईपीएल करियर समाप्त किया। कोहली की इस उपलब्धि के बाद क्रिकेट जगत में उनकी जमकर सराहना हो रही है। बल्लेबाजी में निरंतरता और रिकार्ड बनाने की क्षमता ने उन्हें टी20 क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है।

शरद के बिना लंदन में नई चुनौती ग्रुप में दबदबा बनाने उतरेगा भारत

वर्ल्ड टेबल टेनिस चैंपियनशिप 64 टीमों के बीच खिताब की जंग, ग्रुप टाप करना भारत के लिए अनिवार्य

पुणे/लंदन

अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ की स्थापना के सौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में लंदन में आयोजित होने वाली 2026 वर्ल्ड टीम चैंपियनशिप का मंच सज चुका है।28 अप्रैल से 10 मई तक चलने वाले इस महाकुंभ में दुनिया भर की नजरें लंदन पर टिकी हैं। यह ऐतिहासिक आयोजन कापर बाक्स एरिना और ओवीओ एरिना वेम्बली में होगा, जहाँ 64 पुरुष और 64 महिला टीमें प्रतिष्ठित स्वेथलिंग और कार्बिलोन कप के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगी। भारतीय टीमें इस टूर्नामेंट में एक नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारतीय खेमे में इस बार एक परिचित उत्साह के साथ–साथ एक अनिश्चितता भी है, क्योंकि यह पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा है जिसमें महान पैडलर अचंत शरद कमल टीम का हिस्सा नहीं हैं।

ग्रुप–7 में शामिल भारतीय पुरुष टीम को अपने ग्रुप में प्रबल दावेदार माना जा रहा है। टीम में मानव ठक्कर (विश्व रैंकिंग 38), जी. साथियान (42), मानुष शाह (51), हरमीत देसाई (80) और पायस जैन (127) शामिल हैं। कागजों पर भारतीय टीम स्लोवाकिया, ट्यूनीशिया और ग्वाटेमाला के खिलाफ काफी मजबूत नजर आ रही है। विशेषकर स्लोवाकिया के लुबोमिर पिस्टेज और यांग वांग के सामने भारतीय खिलाड़ियों का पलड़ा भारी है। हालांकि, कड़े मुकाबलों के दौरान जब स्कोरलाइन 2–2 पर आकर टिक जाती है, तब शरद कमल के अनुभव की कमी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। अब टीम की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे दबाव में अपना मानसिक संतुलन कैसे बनाए रखते हैं। महिला टीम को ग्रुप–6 में यूक्रेन, युगांडा और रवांडा के साथ रखा गया है। मणिका बत्रा (49) की कमान में भारतीय टीम में यशस्वी घोरपड़े (88), दीया चितले (92), सुतिर्था मुखर्जी (120) और टीम की सबसे युवा खिलाड़ी सिंद्रेला दास (175) शामिल हैं।

शिवानंद, रूबी-रश्मि और राजेश्वरी-मैथिली बने मास्टर्स चैंपियन

पुणे। बालेवाड़ी इंडोर स्टेडियम में चल रही 32वीं मास्टर्स नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप के चौथे दिन अनुभवी खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा और संयम का बेहतरीन नमूना पेश किया। दिन के तीन खिताबी मुकाबलों में शिवानंद कुंडाजी, रूबी कौर–रश्मि सोनी और राजेश्वरी म्हात्रे–मैथिली सोधी ने अपने–अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियनशिप पर अपनी छाप छोड़ी। पुरुषों के 70+ सिंगल्स फाइनल में महाराष्ट्र के शिवानंद कुंडाजी ने खेल की कमान अपने हाथों में रखी। उन्होंने मध्यप्रदेश के प्रमोद सोनी को 3–1 के अंतर से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। कुंडाजी ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहला गेम 11–9 और दूसरा 11–5 से अपने नाम किया। हालांकि तीसरे गेम में प्रमोद ने वापसी की कोशिश की, लेकिन कुंडाजी ने चौथे गेम में 11–6 से जीत हासिल कर अपना वर्चस्व साबित किया। महिला डबल्स 60+ वर्ग का फाइनल संघर्षपूर्ण रहा, जिसमें मध्यप्रदेश की रूबी कौर और रश्मि सोनी की जोड़ी ने खिताबी बाजी मारी। उन्होंने अपनी ही राज्य की संध्या पटवा और संध्या सोमानी को कड़े पांच गेमों के मुकाबले में 3–2 से मात दी। निर्णायक गेम में रूबी और रश्मि ने 11–6 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। वहीं, महिला डबल्स 65+ व 75+ वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र की राजेश्वरी म्हात्रे और मैथिली सोधी ने दिल्ली की इंदु शर्मा और सुनीता मुद्गिल को एकतरफा अंदाज में हराया। महाराष्ट्र की इस जोड़ी ने 11–6, 11–2, 11–9 के सीधे सेटों में जीत हासिल कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

आईपीएल में बिगड़ रहा गेंद व बल्ले का संतुलन

मुम्बई

आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के मुकाबले जारी है। साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही आईपीएल ने लगातार प्रगति करते हुए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनायी है। इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेटर खेलते हैं। यह लीग अपनी गुणवत्ता और रोमांच मुकाबलों के कारण चर्चित रही है और इस पर प्रशंसकों का भरोसा बना हुआ है।

एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सत्र से इस लीग में जिस प्रकार से बल्लेबाज हावी होने लगे हैं। उससे इसका संतुलन खराब हो रहा है। अब लगाता है कि यह लीग अब बल्लेबाजों का स्वर्ग बन गयी है। इसमें गेंदबाजों की भूमिका सीमित होती जा रही है। इसका कारण कई नियम है जो गेंदबाजों के खिलाफ जाते हैं। प्रायोजक बड़े स्कोर वाले मैच चाहते हैं जिससे की प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रहे।

इस सत्र में कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जो खेल के संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ चुके हैं। हाल ही में एक ही दिन में 464 गेंदों में 985 रन बने। यहां तक कि 265 और 228 जैसे बड़े लक्ष्य भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। यह इस बात को दिखाता है कि अब कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। गेंदबाज अब सिर्फ चौके–छक्के खाने के लिए गेंद फेंकते नजर आ रहे हैं, उनकी भूमिका मैदान पर केवल औपचारिकता पूरी करने तक ही रह गयी है।

इसी कारण कई क्रिकेट विशेषज्ञ खेल को लेकर खुश नहीं है। जसपीत बुमराह, पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड, अर्शदीप सिंह या जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों को भी ऐसे चौके–छक्के पड़ रहे हैं, जैसे वे किसी स्थानीय टीम के गेंदबाज हों। अठारह गेंदों में अर्धशतक बनाना अब आम बात हो गयी है।

वहीं लीग की सफलता का आधार हमेशा बल्ले और गेंद के बीच संतलुन बना रहना माना जाता है। ऐसे में अब किकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इस मामले को देखते हुए इसका हल निकालने पर गंभीरत से विचार करना होगा। ये देखना होगा कि गेंदबाजी और बल्लेबाजी संतुलन बना रहे अभी सभी नियम बल्लेबाजों के पक्ष में जा रहे हैं। पावरप्ले को लेकर भी फैसला लेना होगा। इसमें अभी सबसे अधिक रन बन रहे हैं।

अश्विन बोले, मेरे माता - पिता भी हैं वैभव के प्रशंसक

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन ने खुलासा किया है कि उनके माता–पिता भी राजस्थान रौयल्स के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसक हैं। 15 साल की उम्र में ही वैभव को अपने खेल से क्रिकेट जगत में एक बड़ी पहचान मिल गयी है। आईपीएल में जिस प्रकार से वह आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं, उससे उनके प्रशंसकों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। अश्विन ने कहा कि उनके माता–पिता वैभव को खेलते देखने के लिए इंतजार भी करते हैं। अश्विन ने कहा कि वैभव की बल्लेबाजी देखने को लेकर उनका पूरा परिवार उत्साहित रहता है। सभी लोग केवल वैभव की बल्लेबाजी देखने के लिए राजस्थान रौयल्स के मैच एक साथ बैठकर देखते हैं अश्विन ने कहा," मैं राजस्थान का हर मुकाबला अपनी मां और पापा के साथ देखता हू, वे इस बल्लेबाज के प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि मैंने कभी अपने पापा को किसी और खिलाड़ी के लिए इतना प्रभावित होते नहीं देखा, जितना वह वैभव के लिए होते हैं। हर शौट पर वह बहुत उत्साहित हो जाते हैं। वहीं मेरी मां भी इसका खेलने का अंदाज देखकर खुश होती हैं।

आईपीएल 2026 : भुवनेश्वर बने पर्पल कैप के नए लीडर कोहली आरेंज कैप रेस में चौथे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली

दिल्ली में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मुकाबले में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को महज 75 रनों पर समेटते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। इस मैच के बाद पर्पल कैप और आरेंज कैप की रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

भुवनेश्वर ने संभाली पर्पल कैप की कमान

आरसीबी के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में सिर्फ 5 रन देकर 3 विकेट झटके। खास बात यह रही कि उनके तीनों विकेट पावरप्ले में आए। इस प्रदर्शन के दम पर भुवनेश्वर अब पर्पल कैप की रेस में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उनके कुल 14 विकेट हैं और 16.85 का औसत उन्हें अंशुल कंबोज (16.92) और ईशान मलिंगा (18.21) से आगे ले जाता है।

वहीं, आरसीबी के आलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने एक विकेट लेकर टाप–10 में एंट्री कर ली है। उनके अब 9 विकेट हैं, जो कार्तिक त्यागी, जेमी ओवरटन और वैभव अरोड़ा के बराबर हैं, लेकिन बेहतर औसत (26.55) के कारण वह उनसे आगे हैं।

तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने भी घातक गेंदबाजी करते हुए 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने पावरप्ले में तीन विकेट लेकर दिल्ली को 13/6 के रिकार्ड न्यूनतम स्कोर पर पहुंचा दिया। अब उनके कुल 8 विकेट हो गए हैं और वह विकेट लेने वालों की सूची में 14वें स्थान पर हैं।

आरेंज कैप रेस में कोहली की छलांग

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इस मैच में नाबाद 23 रन बनाए और इसी के साथ आईपीएल में अपने 9000 रन पूरे कर लिए। इस पारी के बाद कोहली आरेंज कैप की रेस में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके अब 351 रन हैं और उनका औसत 58.50 का है।

कोहली से आगे वैभव सूर्यवंशी हैं, जिनके 357 रन हैं, जबकि केएल राहुल 358 रन के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। राहुल ने इस मैच में 1 रन बनाया, लेकिन इतना भी उन्हें एक स्थान ऊपर ले जाने के लिए काफी रहा। आरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा बने हुए हैं, जिनके नाम 380 रन हैं और उनका औसत 54.28 का है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट को मिला नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पूर्व तेज गेंदबाज ज्योफ अलाट संभालेंगे जिम्मेदारी

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज ज्योफ अलाट को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पिछले वर्ष स्काट वीनिंक के इस्तीफे के बाद की गई है।

54 वर्षीय अलाट ने 1996 से 2000 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 10 टेस्ट और 31 एकदिवसीय मैच खेले। उनका सबसे यादगार प्रदर्शन 1999 के एकदिवसीय विश्व कप में रहा, जहां उन्होंने 9 मैचों में 20 विकेट लेकर प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने का रिकार्ड बनाया। उन्होंने यह उपलब्धि आस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाज शेन वार्न के साथ हासिल की, हालांकि अलाट ने एक मैच कम खेला था।

खेल करियर समाप्त होने के बाद अलाट ने क्रिकेट प्रशासन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह 2002 में न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ी संघ के संस्थापक सदस्य रहे। इसके बाद 2008 से 2010 तक उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट में क्रिकेट महाप्रबंधक के रूप में कार्य किया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने कैंटरबरी क्रिकेट के बोर्ड में तीन वर्षों तक सेवा दी और 2013 से 2021 तक न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड में निदेशक के रूप में आठ वर्षों का कार्यकाल पूरा किया।

उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2022 में उन्हें आजीवन सदस्यता से सम्मानित किया गया।

चुनौतीपूर्ण दौर में मिली जिम्मेदारी

अलाट को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में सौंपी गई है जब न्यूजीलैंड क्रिकेट आंतरिक मतभेदों के दौर से गुजर रहा है। पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्काट वीनिंक ने खेल की दीर्घकालिक दिशा को लेकर प्रांतीय संघों और खिलाड़ी संघ के साथ मतभेदों के कारण पद छोड़ा था। विवाद का प्रमुख कारण वर्ष 2027 तक सुपर स्मैश प्रतियोगिता की जगह निजी स्वामित्व वाली एनजेड20 लीग शुरू करने का प्रस्ताव था।

अलाट ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के हवाले से कहा कि वह संगठन के सभी पक्षों—बोर्ड, खिलाड़ियों, कर्मचारियों, सदस्य संघों और व्यावसायिक साझेदारों—के साथ मिलकर काम करने और मजबूत संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका लक्ष्य न्यूजीलैंड क्रिकेट को हर स्तर पर प्रतिस्पर्धी, टिकाऊ और सफल बनाना है।

वहीं, न्यूजीलैंड क्रिकेट की अध्यक्ष डायना पुकटापू–लिंडन ने अलाट को इस पद के लिए सर्वाधिक योग्य बताते हुए कहा कि उनका खेल अनुभव, संस्थागत समझ और व्यावसायिक नेतृत्व संगठन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ज्योफ अलाट एक जुलाई से अपने नए पद का कार्यभार संभालेंगे।

न बनाएं बोरियत को अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

लाइफस्टाईल

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस ख़त्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

बाहर पढ़ने जा रहे हैं, तो इन बातों को कभी न भूलें

कैरियर

पढ़ाई-लिखाई या फिर रोजगार के सिलसिले में आपमें से कई लोगों को घर से बाहर जाना होगा। कुछ रह भी रहे होंगे। हालांकि कई लोगों के लिए यह अनुभव मजेदार होता है, पूरा आजादी और कोई रोक-टोक नहीं। लेकिन बात बस इतनी सी ही नहीं रहती है। घर से बाहर निकलने पर आपकी पूरी जिम्मेदारी भी आप पर ही हुआ करती है। खाना-पीना, कपड़े, अपनी चीजों की देखभाल, स्वास्थ्य और फायनेंसेस। फिर एक और चीज है अब तक आप घर में रहे हैं, यदि आपकी पॉकेट मनी खत्म हो गई है तो या तो आप बहन से ले सकते हैं या फिर मां से भी। घर से बाहर निकलते ही सबसे पहली दिक्कत खाने की और दूसरी पैसे ही महसूस होने लगती है। कुछ ऐसी चीजें हैं,

जो आपको घर से बाहर निकलने से पहले ही सीख लेनी चाहिए, ताकि घर से बाहर रहकर न आप परेशान हों, न आपके घर वाले और न ही आपके दोस्त।

काम चलाऊ कुकिंग : अपने घर में चाहे आपने कभी चाय का कंटेनर भी बर्नर पर न रखा हो, लेकिन अब चूंकि आप बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने खाने लायक काम चलाऊ कुकिंग सीख ही लेनी चाहिए। बाहर का खाना एक तो बहुत महंगा पड़ता है, दूसरा बाहर के खाने से स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में यदि आप अपने लिए खाना बनाना सीख लेते हैं तो ये आपके लिए ही बेहतर होगा। तो अभी से अपनी मम्मा को या सिस को अपना ट्यूटर बनाएं और कुकिंग शुरू करें।

याद रहें घर से बाहर जाते ही सबसे ज्यादा यदि कुछ याद आता है तो वह है घर का खाना। यदि आप फूडी है तो यह और भी ज्यादा जरूरी है कि आप कुकिंग सीख लें, क्योंकि कई बच्चे ऐसे भी होते हैं कि सिर्फ घर के खाने के लिए अपना कोर्स या जॉब छोड़कर लौट आते हैं। इसलिए जरूरी है कि कामचलाऊ खाना बनाना तो सीख ही लें, और यदि अच्छे खाने के शौकीन है तो फिर तो अच्छा खाना बनाना सीख लें।

बजटिंग : बाहर निकलते ही बजट गड़बड़ा जाता है। क्योंकि घर से बाहर रहते हुए हर छोटी-बड़ी बात के लिए पैसा लगने लगता है। ऐसे में बजट बनाना अच्छा विकल्प होगा। बजट बनाते हुए थोड़ा पैसा बचा कर रखें। किसी भी वक्त पैसे ही जरूरत पड़ सकती है। पैसा सोच-समझकर खर्च करें। पहले जरूरतों पर विचार करें, शौक को महीने के आखिरके लिए बचाकर रखें। वीक डेज में फिल्म देखें, सेल से कपड़े, शूज और एक्सेसरीज खरीदे। थोड़ी ग्रॉसरी की खरीदी में ध्यान रखें। अक्सर मॉल्स में वीक का कोई एक दिन या फिर मंथ के किसी एक दिन ऑ- फर्स और डिस्काउंट्स दिए जाते हैं, उसका उपयोग करें। कुछ बचत कर पाएंगे।

छुट्टी का उपयोग : अब तक आपको अपने कपड़ों के धोने और प्रेस करवाने की चिंता नहीं करनी पड़ती थी। अब ये चिंता आपको खुद ही करनी होगी। छुट्टी के दिन अपने कपड़े हर हाल में धो लें। और प्रेस कर ले, ताकि वीक डेज में काम करते हुए या इंस्टीट्यूट जाते हुए हड़बड़ी न करनी पड़े। छुट्टी वाले दिन बजाए दिन भर टीवी देखकर बिताने के आप अपने सप्ताह भर के पैंडिंग काम निबटा लें।

रिश्ते बनाएं : हो सकता है कि अब तक आपने अपने घर के पास रह रही चोपड़ा आंटी से कभी हलो नहीं किया हो। क्योंकि उनसे मम्मा और दीदी बात कर ही लेती हैं और अंकल को कभी लिफ्ट न दी हो, क्योंकि पापा उनसे बात कर ही लेते हैं। लेकिन अब आप अपने आसपास के लोगों से संबंध बनाकर रखें। क्योंकि आप अकेले रहते हैं, और किसी भी वक्त आपको अपने पड़ोसियों की जरूरत हो सकती है। कभी देर से नींद खुली हो और पीने का पानी न हो, कभी देर रात आपको तेज बुखार आ रहा हो या फिर पनीर पकाते हुए गैस सिलेंडर खत्म हो गया हो। वजह तो एक हजार हो सकती है, लेकिन नसीहत सिर्फ यही है कि अपने आसपास के लोगों से संबंध बनाकर रखें। अच्छा भी लगेगा और जरूरत के वक्त मदद भी हो जाएगी।

शेयरिंग हो जाए : हो सकता है आप अपने अपने पैरेंट्स की इकलौती संतान हो। ऐसे में आपकी आदतें एकाधिकारवादी हो सकती है। जैसे आप अपनी किताबें किसी के साथ शेयर नहीं करते हैं, या आपकी बाइक आप किसी को यूज करने के लिए नहीं देते हैं। आपने जो अपनी बहन की शादी में ब्लैजर बनवाया था, वह आप अपने दोस्त को पहली डेट के लिए नहीं देते हो। तो अपनी आदतें बदल लीजिए। घर से बाहर निकलने के बाद भी यदि आपकी यही एकाधिकारवादी प्रवृत्ति बनी रही तो आप एकदम अकेले पड़ सकते हैं। दोस्त बनाने के लिए आपको शेयरिंग करना सीखनी होगी। इससे मदद भी हो जाएगी और दोस्ती भी गाढ़ी होगी। अपने बड़ों के आश्रय में रहते हुए बहुत सारा ऐसा होता है, जो हम नहीं सीख पाते हैं। घर से अलग होते ही हम बहुत सारी चीजें खुद-ब-खुद सीख जाते हैं। लेकिन यदि सीखने की मनस्थिति के साथ ही पढ़ने या नौकरी करने जाएं तो अकेले रहने का वो वक्त बहुत खुशनुमा व यादगार हो सकता है।

अपने आप बंद हो जाएंगे ब्राउजर के गैरजरूरी टैब

तकनीक

अक्सर इंटरनेट चलाते समय कई टैब खोलने की आदत पड़ जाती है लेकिन यूजर उसे बंद करना भूल जाते हैं जिसकी वजह से अधिक डाटा की खपत होती हैं और कंप्यूटर हैंग होने लगता है। मगर ब्राउजर के ये टैब खुद-ब-खुद बंद भी हो सकते हैं लेकिन इसके लिए एक्सटेंशन की मदद लेनी होगी। ऐसे ही खास एक्सटेंशन के बारे में बता रहे हैं रोहित कुमार...

गूगल क्रोम वेब स्टोर पर मौजूद Tab Wrangler एक्सटेंशन की सहायता से क्रोम ब्राउजर में खोले गए पुराने टैब जो प्रयोग नहीं किए जा रहे हैं वह तय समय के बाद खुद ब खुद बंद होने लगते हैं। इस मुफ्त एक्सटेंशन को अपने ब्राउजर में शामिल करने के लिए 'क्रोम ब्राउजर' खोलें, उसके सर्च बार chrome webstore टाइप करें। यहां बाईं ओर सर्च का विकल्प मिलेगा, उसमें Tab Wrangler टाइप कर दें। साथ ही सर्च बार के नीचे दिए गए विकल्पों में से Extensions का चयन करें। अब आपके सामने सबसे ऊपर Tab Wrangler लिखा मिलेगा, उस पर क्लिक करें और वह आपके ब्राउजर में शामिल हो जाएगा। इसका आइकन यूआरएल बार के दाईं तरफ दिखाई देगा। जरूरत पड़ने पर ऑटोमैटिक बंद होने वाले फीचर को रोक भी सकते हैं। इसके अलावा बंद हुए टैब को दोबारा खोलने के लिए इस एक्सटेंशन के आइकन को दबाने के बाद आपको रीस्टोर करने का विकल्प भी मिल जाएगा।

खुद तय करें टैब का समय

जब इस एक्सटेंशन को ब्राउजर में शामिल करेंगे तो उसमें 20 मिनट का समय पहले से सेट होता है। यानी कोई भी टैब 20 मिनट इस्तेमाल न होने पर खुद बंद हो जाएगा। इसमें दिए गए समय को कम और ज्यादा भी कर सकते हैं। समय को बदलने के लिए ब्राउजर के यूआरएल बार के पास दिए गए एक्सटेंशन के आइकन पर क्लिक करें। इसके बाद नई डिस्प्ले खुलेगी जिसमें ऊपर की ओर 'ऑप्शन' लिखा मिलेगा। इस पर क्लिक कर दें। यहां से आपको 20 मिनट का समय दिखाई देगा। इसके समय को यहीं से बढ़ा या घटा भी सकते हैं।

पसंदीदा टैब को कर सकते हैं लॉक

ब्राउजर में किसी एक टैब को खुला रखना चाहते हैं तो उसे लॉक किया जा सकता है। इसके लिए एक्सटेंशन के आइकन पर जाना होगा। इसके बाद जो स्क्रीन खुलेगी उसमें इ्थ्थ ख्रधदद्म पर क्लिक करें। यहां से ब्राउजर में खुली सभी वेबसाइट को एक साथ देख सकते हैं। इसके अलावा जिस टैब को लॉक करना चाहते हैं उसके सामने दिए गए बॉक्स पर टच कर दें। यह वेबसाइट तब तक लॉक रहेंगी जब तक आपका कंप्यूटर खुला रहेगा। वहीं स्थायी तौर पर किसी वेबसाइट को खुला रखना चाहते हैं तो एक्सटेंशन के आइकन पर दोबारा क्लिक करने के बाद ऊपर की तरफ तीसरे नंबर पर दिए गए 'ऑप्शन' पर क्लिक करने के बाद सबसे नीचे Auto-Lock लिखा मिलेगा, उसके नीचे दिए गए बॉक्स में जिस वेबसाइट को लॉक करना चाहते हैं उसका यूआरएल कॉपी कर शामिल कर दें।

ऐसे बना सकते है शादी जिंदगी को कामयाब

रिश्ते-नाते

शादी लाइफ का खास और खुशी भरा लम्हा होता है। इस पल को यादगार बनाने के लिए अपने साथी की छोटी-बड़ी खुशी का ध्यान रखना जरूरी होता है। कहा जाता है शादी और खुशी ऐसा पॉजीटिव रिलेशनशिप है जिसमें अविवाहिता की तुलना में शादीशुदा लोग ज्यादा खुश रहते है। कैसे आइये जानें कामयाब शादी के लाभों के बारे में...

1.सफल शादीशुदा पति-पत्नी हमेशा खुशी के एहसास में जीते हैं। वह लाइफ में होने वाली परेशानियों से कभी निराश नहीं होते।

2.विवाह एक सुरक्षा कवच की तरह होता है, जो पति-पत्नी दोनों को एक सफल जीवन जीने में अश्वासन देती है।

3.रोमांस के पलों को यादगार बनाने के लिए अपने साथी को हॉट मैसेज भेजें, खुशबू वाले कैंडल से अपने साथी के लिए कैंडल लाइट डिनर अरेंज कर उनके करीब आएं।

4. अपने साथी का ढाल बन कर साथ देना अच्छी बात है अगर आपको लगता है कि आपका पार्टनर सही कह रहा है ऐसे समय में उसका पूरा-पूरा साथ दें, यह बात उसे एहसास दिलाएगी कि वह अकेला नहीं है।

5.याद रखें कि हर रात पहली रात ही है इसलिए पहले अपनी पत्नी की भावनाओं का ख्याल रखें। अगर बात नहीं बनती है तो रोमांस के पलों में समय लगाएं।

6.अपने पार्टनर की दी हुई सभी चीजों को अपने पास यादगार के तौर पर रखें। इससे आप दोनों एक-दूसरे के पहले से भी ज्यादा करीब आ जाएंगे।

7.अपने पार्टनर को यह एहसास दिलाएं कि जो बातें और रिलेशनशिप उसे आपके साथ शेयर करनी चाहिए, वो किसी और के साथ अंजाने में शेयर कर रहे हैं।

8.दुख-सुख बांटने से पति-पत्नी दोनों जहां एक तरफ अपनी सारी परेशानियों से बाहर निकल आते हैं, वहीं फाइनेंशियली भी सुरक्षा महसूस होती है।

9.जब तनाव न हो, तो मन शांत रहता है और काम करना बोझ नहीं लगता। फिर चाहे वह घर का काम हो या ऑफिस का, व्यक्ति मन लगाकर करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद साबित होगा पानी

यह सलाह तो आपने सुनी ही होगी कि रोज 8 से 10 ग्लास पानी पिया करो...। सवाल यह है कि यह 8-10 ग्लास पानी का गणित आखिर क्या है और क्या यह आंकड़ा हर हाल में, सबके ऊपर लागू होता है? सच तो यह है कि 8 से 10 ग्लास पानी पीने की उक्ति महज एक मोटी-मोटी गाइडलाइन है। कुछ लोगों को प्रतिदिन इससे अधिक पानी पीने की भी जरूरत पड़ सकती है और कुछ लोगों का काम इससे कम पानी पीने से भी चल सकता है।

खैर, यह तो हुई सामान्य तौर पर पानी पीने की बात। मगर क्या आप जानते हैं कि पानी वजन घटाने में भी मददगार हो सकता है? जी हां, यदि आपका वजन सामान्य से अधिक है, तो पानी आपका वजन घटाने का 'जादू' भी कर सकता है। खास तौर पर यदि आप अधिक नमक वाला, प्रोसेस्ड फूड ज्यादा खाते हैं और इसी के माध्यम से आपको अधिकांश कैलोरी प्राप्त होती हैं, तो पानी वाकई आपके लिए वजन घटाने वाला जादूगर साबित हो सकता है। जानते हैं कैसे:

वसा को भस्म करता है पानी : शोध में पाया गया है कि किसी हाई-कैलोरी ड्रिंक के बजाए पानी पीने से 40 प्रतिशत अधिक फैट, यानी वसा बर्न होती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप भोजन के साथ सोडा, जूस आदि कैलरी से भरपूर ड्रिंक्स मे बजाए पानी ही पिएं।

बीएमआई होता है कम : अधिक पानी पीने से आपका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) भी कम होता है। इसके पीछे कारण यह है कि अधिकांश लोग प्रतिदिन लगभग एक जैसी मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन करते हैं। ऐसे में यदि वे पानी का अनुपात बढ़ा दें, तो अन्य, कैलोरी प्रधान तरल पदार्थों का सेवन स्वतः कम हो जाएगा। इससे उनका कैलोरी इनटेक घट जाएगा और वजन घटाने में मदद मिलेगी।

भूख में कटौती : हालांकि भूखे रहना वजन घटाने का कोई सही तरीका नहीं है लेकिन यदि आपमें आवश्यकता से अधिक खाने की आदत है, तो पानी यहां आपकी मदद कर सकता है। 12 सप्ताह तक चली एक शोध में देखा गया कि जिन लोगों ने भोजन से पहले दो ग्लास पानी पिया, उन्होंने पहले से कम मात्रा में भोजन ग्रहण किया। कैलोरी प्रधान ड्रिंक पीने वालों के मुकाबले इन पानी पीने वाले लोगों का वजन 44 प्रतिशत ज्यादा घटा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**